उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू

प्रबन्धकारिणी बैठक

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2016 के अवसर पर बज्जू में रैली

<u>दिनांक: 26.02.2017</u>

प्रगति प्रतिवेदन
माहः जनवरी 2016 से दिसम्बर 2016 तक

उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू

प्रबन्ध कार्यकारिणी बैठक (दिनांकः 26.02.2017 रविवार)

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	दिनांक 26.02.2017 को होने वाली बैठक का एजेण्डा	3
2	आजीविका कार्यक्रमः (ए) घरेलू आर्थिक सुरक्षा कार्यक्रम (HES) (बी) महिलाओं का आयवर्द्धन कार्यक्रम–कशीदाकारी (सी) नाबार्ड की कृषि एवं हस्तकला उद्यम विकास परियोजना (डी) उरमूल कृषि फार्म (ई) उषा सिलाई स्कूल (एफ) गरीबी शमन परियोजना (एमपावर)	4–10
3	गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा कार्यक्रम, आरकेसीएल एवं उरमूल स्कूल	10–13
4	प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास (ECCD) समेकित बाल विकास परियोजना	13–17
5	स्वास्थ्य कार्यक्रम	17–19
6	बाल सुरक्षा एवं बाल भागीदारी कार्यक्रम (ROC & Governance) चाईल्ड हेल्पलाइन 1098	20–23
7	पानी, सफाई व स्वच्छता कार्यक्रम (WASH)	23–26
8	स्पोन्सरशिप कार्यक्रम	26–29
9	नेशनल लेवल मॉनिटरिंग	29
9	वित्तीय प्रगति विवरण	30–32

<u>दिनांक 26.02.2017 को होने वाली बैठक का एजेण्डा</u>

1. गत बैठक की पुष्ठी
2. गत बैठक में तय कार्यों पर कार्यवाही
3. कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट
4. वित्तीय प्रगति
5. नई परियोजनाओं की स्वीकृति
6. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से

कार्यक्रम प्रगति रिपोर्ट

❖ आजीविका कार्यक्रम (आर्थिक सुरक्षा व आर्थिक सशक्तिकरण)

क्र. सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर्ड लाभार्थी
1	ग्राम पंचायत स्तरीय युवा क्लब गठन	6	93	15
2	युवा क्लबों के साथ मासिक बैठकें	26	382	75
3	युवा दिवस समारोह (12 जनवरी 2016)	1	300	0
4	स्वयं सहायता समूहों की मासिक बैठकें	811	7927	938
5	स्वयं सहायता समूह क्रेडिट लिंकेज (36 लाख 34 हजार रूपये)	54	593	168
6	विभिन्न पेन्शन व अन्य योजनाओं हेतु आवेदन	29	225	7
7	15 दिवसीय सिलाई एवं व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण	3	77	55
8	प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम का लाभ मिला (2 लाख रूपये)	1	1	0
9	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगोष्ठियों व रैलियों का आयोजन	6	597	300
10	रोजगार मेला	4	348	149
11	हस्तकला एवं कृषि आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम विषयक कार्यशाला	1	83	26
12	स्वयं सहायता समूहों के क्लस्टर बैठक में भागीदारी	8	141	22
13	6 दिवसीय सोलर होमलाईट रिपेयरिंग प्रशिक्षण	1	15	12

- **स्वयं सहायता समूहों की मासिक बैठकें:** इस माह कुल 93 स्वयं सहायता समूहों की बैठकें आयोजित हुई। बैठकों में समूह की मजबूती एवं पंचसूत्रों– नियमित बैठक, नियमित मासिक बैठकें, आन्तरिक लेनदेन, ऋणों की समय पर चुकौती व रिकॉर्ड संधारण आदि पर चर्चा की गई। इसके अलावा नाबार्ड के ई शक्तिः स्वयं सहायता समूहों का डिजिटाइजेशन कार्यक्रम के तहतृ समूहों के सदस्यों की जानकारी संकलित की गई। इन बैठकों में स्पोन्सर्ड परिवारों के साथ किये जा रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी दी गई।
  सियाणा में दिनांक 18.10.2016 को ग्राम पंचायत भवन में समूहों के पदाधिकारियों के साथ बैठक रखी गई, जिसमें प्लान की स्टेट मैनेजर स्वाति जी के साथ महिलाओं ने अपने समूहों के बारे में संवाद किया। स्वाति जी ने महिलाओं को बचत व बैठकों के साथ साथ आयजनक गतिविधियां प्रारम्भ करने के साथ साथ सामाजिक व्यवस्थाओं में अपनी भूमिका निभाने के लिये प्रेरित किया।
- **स्वयं सहायता समूह क्लस्टर बैठकें:** इस माह हदां सबसेन्टर के सियाणा में 2, खारिया पतावतान में 1 चिमाणा सबसेन्टर के चिमाणा में 1 व घण्टियाली में 2 इस प्रकार कुल 6 क्लस्टरों के साथ बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में मुख्य रूप से स्वयं सहायता समूहों को आजीविका के कार्यो से जोड़कर आय सृजन के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा समूहों के नियमित रिकॉर्ड संधारण, आन्तरिक लेनदेन की समय पर चुकौती आदि पर भी चर्चा की गई।
- **स्वयं सहायता समूहों का डाटा कलेक्शनः** भारत सरकार की डिजिटल इण्डिया योजना के अन्तर्गत नाबार्ड के **ई शक्ति– स्वयं सहायता समूहों का डिजिटाइजेशन कार्यक्रम** के तहत् इस माह क्षेत्र के 55 स्वयं सहायता समूहों की समस्त सूचनाओं, जैसे सभी समूह की बैंक सम्बन्धी सूचना, बचत, ऋण, आन्तरिक लेनदेन, कैश क्रेडिट लिमिट एवं सदस्यों की शिक्षा, आधार व अन्य पहचान पत्र, सम्पर्क नम्बर, वित्तीय वर्गीकरण (एपीएल या बीपीएल) आदि सूचनायें एकत्र की गई। इसके अलावा समूह के प्राप्ति एवं भुगतान की स्थिति भी तैयार की गई ताकि समूहों को ओनलाईन किया जा सके।

- **युवा क्लब गठनः** माह जनवरी से जून 2016 के दौरान कुल 6 युवा क्लब गठित किये गये। प्लान क्षेत्र की कुल 31 ग्राम पंचायतों में युवा क्लब गठन किये जाने के लक्ष्य के विरूद्ध माह जून 2016 तक कुल 26 ग्राम पंचायतों

में युवा क्लबों का गठन किया गया। गठन बैठकों के दौरान ग्राम पंचायत स्तरीय युवा क्लब गठन के उद्देश्यों, सरकार द्वारा युवा कौशल एवं आजीविका के लिये संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

- **युवा क्लबों के साथ मासिक बैठकें**: युवा क्लबों की मासिक बैठकों में मुख्य रूप से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बीकानेर (आर–सेटी) द्वारा संचालित विभिन्न रोजगार व स्वरोजगार प्रशिक्षणों के बारे में चर्चा करके विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई और युवाओं को आवेदन हेतु प्रेरित किया गया। युवा क्लब पदाधिकारियों के प्रशिक्षण एवं मासिक बैठकों में दी गई जानकारी के परिणामस्वरूप कुल 11 युवाओं ने विभिन्न प्रशिक्षणों जैसे सोलर होमलाईट मरम्मत प्रशिक्षण, मोबाइल मरम्मत एवं मोटरसाइकिल मरम्मत प्रशिक्षणों हेतु आवेदन, विभाग को प्रेषित किये गये।
- **युवा दिवस समारोह (12 जनवरी 2016):** दिनांक 12 जनवरी 2016 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर युवा दिवस का आयोजन हदां की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 9 से 12वीं तक के छात्र छात्राओं के साथ किया गया। इस अवसर पर संभागियों को युवा दिवस मनाने के उद्देश्यों, सरकार के कौशल भारत मिशन, युवाओं के लिये सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी गई।
- **स्वयं सहायता समूहों की मासिक बैठकें**: स्वयं सहायता समूहों की बैठकों में बचत के आन्तरिक लेनदेन, कैश क्रेडिट लिमिट, कृषि एवं पशपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं व बागवानी के कार्य से आजीविका वृद्धि के बारे में विस्तार से बात की गई। प्लान क्षेत्र के हदां क्षेत्र के 5 स्वयं सहायता समूहों द्वारा बागवानी एवं बकरी पालन कार्य का निर्णय लिया गया है, जिसकी वित्तीय व्यवस्था के लिये बैंक से समूहों को क्रेडिट लिंकेज का लाभ दिलाया जायेगा। बचत के आन्तरिक लेनदेन, कैश क्रेडिट लिमिट, कृषि एवं पशपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं व बागवानी के कार्य से आजीविका वृद्धि के बारे में विस्तार से बात की गई।
- **स्वयं सहायता समूह क्रेडिट लिंकेज**: राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक द्वारा ब्लॉक में वित्तीय साक्षरता एवं क्रेडिट लिंकेज शिविरों का आयोजन बज्जू, हदां, खारी चारणान एवं भोलासर शाखाओं में किया गया। इन शिविरों में कुल 54 स्वयं सहायता समूहों को 36 लाख 34 हजार रूपये का ऋण दिया गया। इन 54 में से 36 स्वयं सहायता समूह प्लान क्षेत्र के हैं। समूहों ने उक्त राशि मुख्यतः आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषाहार निर्माण, पशु खरीद, परचून की दुकान खोलने एवं खेतीबाड़ी के लिये लिया।
- **विभिन्न पेन्शन व अन्य योजनाओं हेतु आवेदन**: सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत विभिन्न तरह के आवदेन किये गये जिनमें मुख्यमंत्री स्वरोजगार हेतु 9, पेन्शन हेतु 8 एवं पालनहार योजना के अन्तर्गत छात्रवृति हेतु 5, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 5 व 2 लोगों को अटल पेन्शन योजना से लाभान्वित किया गया।
- **15 दिवसीय सिलाई एवं व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण**: बीठनोक, गिराजसर एवं गंगापुरा में 14 से 25 वर्ष तक की कुल 77 बालिकाओं के साथ सिलाई एवं व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिनमें से 55 बालिकायें स्पोन्सर्ड परिवारों से थी। इस प्रशिक्षण में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा सिलाई के लिये जरूरी सावधानियों, सिलाई में काम आने वाले मुख्य उपकरणों, कटिंग, सिलाई के विभिन्न डिजाइनों, ग्रामीण परिवेश के अनुसार सलवार कुर्तो, लहंगा–चुन्नी–घाघरा, छोटे बच्चों के शर्ट, टॉप आदि सिलने सिखाये गये।

  प्रशिक्षण के दौरान राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज, बीकानेर की व्याख्याता श्रीमती सुमन शर्मा, जन शिक्षण संस्थान, बीकानेर के प्रशिक्षण व व्यक्तित्व विकास प्रभारी श्री ओमप्रकाश सुथार, संस्था की बोर्ड सदस्या श्रीमती पुष्पा पुरोहित, व संस्था के अध्यक्ष श्री अरविन्द ओझा ने सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया। उषा इन्टरनेशनल, जयपुर के श्री मोहनलाल ने सिलाई के साथ साथ संस्था के अन्य प्रशिक्षणों एवं कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेकर अपने व्यक्तित्व विकास के लिये अपने स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विवाह, बाल मजदूरी, परिवार का वातावरण, गांव व समाज में मान–सम्मान के साथ जीने जैसे मुद्दों पर बालिकाओं को जानकारी दी।

  प्रशिक्षण के मूल्यांकन के दौरान सामने आया कि ये बालिकायें कपड़े की कटिंग, मशीन के रखरखाव, सिलाई मशीन के विभिन्न हिस्सों के बारे में समझने लगी हैं।

- **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम का लाभ मिला (2 लाख रूपये):** हदां में राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक की शाखा द्वारा खाखूसर गांव के श्री हड़मानसिंह की मृत्यु होने पर उनकी पत्नी श्रीमती बबीता कंवर को 2 लाख रूपये के क्लेम का चैक सौंपा गया।
- **अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगोष्ठियों व रैलियों का आयोजन:** दिनांक 8 मार्च 2016 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्लान क्षेत्र के 6 स्थानों पर 597 महिलाओं के साथ संगोष्ठियां व रैलियों का आयोजन किया गया। इस बार के कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय महिला शान्ति समूह International Women Peace Group (IWPG) के बैनर तले आयोजित किये गये। महिलाओं ने अपने विकास, बेटियों की शिक्षा, समाज में महिलाओं का स्थान, रोजगार आदि बातें आपस में साझा की और समाज में फैली बाल विवाह जैसी कुरीति को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया।

  इस अवसर पर बज्जू में आयोजित संगोष्ठी में भारतीय प्रशासनिक सेवा की प्रशिक्षु के रूप में कोलायत की उप खण्ड अधिकारी शुभम चौधरी ने महिलाओं के विकास में अशिक्षा को बाधक बताते हुए कहा कि जब तक हम बेटियों की उच्च शिक्षा का संकल्प नहीं लेंगे तब तक समाज में महिलाओं को उचित स्थान दिलाने में कामयाब नहीं हो पायेंगे। उन्होंने सभी महिलाओं को प्रेरित किया कि बेटे बेटी में भेदभाव की संकीर्ण सोच से अपने आपको बाहर निकालें और दोनों को बढने के समान अवसर दें।
- **रोजगार मेला:** इस माह हदां, कोलायत, झझू व बज्जू में रोजगार मेलों का आयोजन किया गया। मेलों में राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम, आरसेटी, जिला उद्योग केन्द्र, क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय आदि विभागों के अधिकारियों व प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

  इन विभागों की युवा कौशल सम्बन्धित योजनाओं के बारे में मेलों में आये युवाओं को जानकारी दी गई और उन्हें विभिन्न निःशुल्क प्रशिक्षणों से जुड़कर रोजगार व स्वरोजगार की गतिविधियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिये आवेदन करने हेतु प्रेरित किया गया। मेले के दौरान आये कुल 348 युवाओं में से 87 युवाओं ने विभिन्न प्रशिक्षणों जैसे मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण, रेमण्ड्स शूटिंग सर्टिंग्स, सिलाई, ब्यूटीशियन, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रोनिक प्रशिक्षणों हेतु मौके पर ही पंजीकरण करवाया।

  मेले में केन्द्र सरकार के भामाशाह रोजगार सृजन कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई कि इसके अन्तर्गत युवाओं को स्वरोजगार प्रारम्भ करने के लिये अधिकतम 10 लाख रूपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जायेगा और इसके लिये ओनलाईन आवेदन करना होगा। इन 348 में से 149 युवा स्पोन्सर्ड परिवारों से थे।
- **स्वयं सहायता समूहों के क्लस्टर बैठक में भागीदारी:** राजीविका द्वारा गंगापुरा में व एमपावर प्रोजेक्ट के अन्तर्गत चिमाणा क्षेत्र मे गठित स्वयं सहायता समूहों के क्लस्टरों की बैठकों में भाग लेकर विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। संभागियों को सब्जी उत्पादन, पशुपालन, डेयरी उद्यम विकास आदि के बारे में बताया गया।
- **6 दिवसीय सोलर होमलाईट रिपेयरिंग प्रशिक्षण:** दिनांक 6 से 11 जून 2016 तक उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू परिसर में 6 दिवसीय सोलर होमलाईट रिपेयरिंग प्रशिक्षण रखा गया। इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर संजय शर्मा द्वारा संभागियों को सोलर सिस्टम की उपयोगिता, सोलर पैनल से बैटरी चार्ज करके बिजली उत्पादन, सोलर होमालाइट के विभिन्न उत्पाद, पश्चिमी राजस्थान में सोलर लाईट की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता, मांग व सोलर क्षेत्र में रोजगार व स्वरोजगार के लिये आवश्यक प्रशिक्षण दिया। संस्था चेयरमैन अरविन्द ओझा ने युवा शक्ति का उपयोग देश हित में करने और सोलर उत्पादों के माध्यम से बिजली बचाने के लिए प्रेरित करने के साथ साथ स्वरोजगार व रोजगार का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने युवाओं को अपनी वर्तमान की पढाई के साथ साथ गांव गांव में सोलर उपयोग के लिये ग्रामीण समुदाय को प्रेरित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिये प्रेरित किया। प्रशिक्षण में कुल 15 संभागी थे जिनमें से 12 संभागी स्पोन्सर्ड परिवारों से थे।

• महिलाओं का आयवर्द्धन कार्यक्रम–कशीदाकारी

संस्था द्वारा पाक विस्थापित महिलाओं की परम्परागत कला ''कशीदाकारी'' के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने व स्वावलम्बी बनाने के लिये वर्ष 1991 से आयवर्धन कार्यक्रम की शुरुआत की गई। वर्तमान में इस कार्यक्रम से कोलायत ब्लॉक के डण्डकला, छिला कश्मीर, बिजेरी, पूगल ब्लॉक के 2 डी.ओ., डेलीतलाई, 2 एडी, 6 एडी, 7 एडी, 8 एडी, 9 एडी, व 1बीडी की 550 महिलायें जुड़कर आयसृजन कर रही हैं।

क्र.सं.	विवरण	राशि
1	बिक्री	18,92,468.6
2	माल वापसी	0
3	शुद्ध बिक्री	18,92,468.6
4	ऑर्डर मिला	1,10,241
5	प्रारम्भिक शेष राशि	10,52,067.00
6	प्राप्ति	8,19,227.4
7	अन्तिम शेष राशि	10,73,241.2

- **बाजार व्यवस्था– प्रदर्शनियाँ**

  1– दस्तकार–दिल्ली
  2– दस्तकारी हाट समिति– दिल्ली
  3– सनतकदा– लखनऊ
  4– महिला एवं बाल विकास– जयपुर
  5– सम्पूर्ण, बैंगलोर
  6– शिल्पग्राम, उदयपुर
  7– जयपुर साहित्य समारोह
  8– सरस मेले– मुम्बई

- **अन्य**

  1– **खुली बिक्री**– अभिव्यक्ति शो रुम, सेना शोरूम, द्वारकाधीश शोरूम– दिल्ली व ग्रामीण विकास शोरूम, बाड़मेर व उरमूल पोकरण शोरूम
  2– माह अक्टूबर 2016 से हमने अपना फेसबुक पेज शुरू कर दिया है।
  3– भुगतान के तरीके में परिवर्तनः दिसम्बर 2016 से हम कार्ड मशीन व पेटीएम के माध्यम से भुगतान लेना शुरू कर दिया है।

- **रूडा, जयपुर के सहयोग से कशीदाकारी में डिजाइन विकास प्रशिक्षण**ः मार्च 2016 में रूडा, जयपुर के सहयोग से डण्डकला की कशीदाकारी से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को 15 दिन का नई डिजाइनों का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट एवं डिजाइन, जयपुर की डिजाइनर सुजाता कुमारी ने वर्तमान बाजार के अनुरूप विभिन्न डिजाइनों का प्रशिक्षण दिया। इस प्रशिक्षण में कुल 20 महिलाओं ने भाग लिया जिनमें से 12 महिलायें स्पोन्सर्ड परिवारों की थी।

हस्तकला एवं कृषि आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम (नाबार्ड)

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा माह जनवरी 2016 में हस्तकला एवं कृषि में उद्यम विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन करने के लिये उरमूल सीमान्त समिति, बज्जू को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अन्तर्गत सीमान्त क्षेत्र के 150 किसानों एवं कशीदाकारी कार्यक्रम से जुड़ी 90 महिलाओं को उद्यम विकास से जोड़ने का कार्य किया जाकर उन्हें सम्बन्धित प्रशिक्षणों, शैक्षिक भ्रमण व उनके खुद के गांवों में ही खेती व हस्तकला से सम्बन्धित विशेषज्ञों की सेवायें लेकर उनकी आजीविका में वृद्धि करना है। इसी उद्देश्य से 1 व 2 मई को बज्जू में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें नाबार्ड, कृषि विभाग, बैंक, आरसेटी व अन्य सम्बन्धित विभागों की विभिन्न योजनाओं की जानकारी संभागियों को दी गई। इस कार्यशाला में बज्जू के नहरी क्षेत्र के डण्डकला, छिला कश्मीर, 8 डीओबीबी (माणकासर) व बरसलपुर क्षेत्र के किसानों व महिला समूहों की महिलाओं ने भाग लिया। माह नवम्बर 2016 तक महिला समूहों से जुड़ी 150 महिला किसानों व 30 हस्तकला कशीदाकारी से जुड़ी महिलाओं के साथ उद्यमिता विकास प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया है। इसके अलावा पेथड़ासर गांव के 15 महिला समूहों के घरों में उनके पशुओं के लिये ''अजोला'' घास का प्रयोग किया गया। यह प्रयोग सफल रहा और अन्य गांवों में भी इसको बढाने के लिये कार्य किया जा रहा है।

उरमूल कृषि फार्म

क्षेत्र के किसानों को कृषि, बागवानी, वर्मी कम्पोस्ट व बूंद बूंद सिंचाई का प्रशिक्षण देने के लिये बज्जू केम्पस में तैयार उरमूल कृषि फार्म में वर्तमान में विभिन्न प्रकार के फलदार पौधे एवं सब्जियां लगाई गई हैं। फलदार पौधों में किन्नू के 60, अनार के 15, नींबू के 100, आंवला के 88, कनीर के 22, मेहन्दी के 22, गून्दा के 40 व शहतूत के 35 कुल 382 पौधे लगे हुए हैं। इसके अलावा ग्वारपाठा के भी 200 पौधे लगे हुए हैं। खेती के लिये वर्मी कम्पोस्ट भी फार्म में ही तैयार करके काम में ली गई है। संस्था द्वारा कोलायत क्षेत्र के किसानों को फलदार पौधे व सब्जियों के लिये प्रशिक्षण दिया गया है। वर्तमान में 30 क्विंटल केंचुआ खाद तैयार की हुई है। 10 बीघा में मूंग व मोठ की खेती की हुई है।

उषा सिलाई स्कूल

उषा इन्टरनेशनल के सहयोग से कोलायत व पूगल क्षेत्र में कुल 9 सिलाई स्कूल, बज्जू खालसा, बज्जू तेजपुरा, आरडी 931, 2 एडी, डण्डकला, भेलू, बीठनोक, डेली तलाई एवं मिठड़िया में संचालित किये जा रहे हैं। इन सिलाई स्कूलों के माध्यम से अब तक कुल 426 महिलाओं ने सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्तमान में 95 महिलायें इन सिलाई स्कूलों में प्रशिक्षणरत हैं। इनके अलावा 10 क्लासिकल स्कूल भी माह फरवरी 2016 में खोले गये हैं।

पश्चिमी राजस्थान गरीबी शमन परियोजना (एमपॉवर)

राजस्थान सरकार के गरीबी उन्मूलन के विभिन्न कार्यक्रमों की कड़ी में पश्चिमी राजस्थान गरीबी शमन परियोजना जोधपुर संभाग के प्रत्येक जिले के एक–एक निर्धनतम ब्लॉकों में वर्ष 2009 से प्रारम्भ की गई। जोधपुर जिले के लिये **बाप ब्लॉक** का चयन किया गया तथा इसके अतिरिक्त बाड़मेर जिले में बायतु, जैसलमेर जिले में सांकड़ा, पाली जिले में बाली, जालौर जिले में सांचौर तथा सिरोही जिले में आबू रोड़ ब्लॉकों में परियोजना कार्य संचालित किये जा रहे हैं। परियोजना के अन्तर्गत चयनित ब्लॉकों की गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली शत–प्रतिशत जनसंख्या का बहु आयामी कार्यक्रमों/गतिविधियों के जरिये काया कल्प करने का लक्ष्य निर्धारित है। परियोजना प्रबन्ध यह लक्ष्य 31 दिसम्बर 2016 तक हासिल करने के लिये प्रयासरत है।

परियोजना के उद्देश्य–

1. अकाल के प्रभावों को कम करना तथा जल सुरक्षा का उचित प्रबन्ध करना।
2. लक्षित वर्ग के लिये आजीविका के नये अवसर सृजित करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना।
3. उत्पादकता में नवाचार तथा गुणात्मक सुधार।
4. उत्पादों के लिये बाजार लिंक सुनिश्चित करना।
5. महिलाओं–पिछड़ों तथा निराश्रितजनों का सशक्तिकरण कर समाज की मुख्य धारा में लाना।
6. राज्य सरकार की अन्य योजनाओं के निवेश के साथ सम्मिलन (convergence) करके ठोस एवं संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त करना।

परियोजना की मुख्य गतिविधियॉ

1. **बुनियादी सामुदायिक संस्थाओं का सशक्तिकरणः** इस गतिविधि के अन्तर्गत लक्षित समूहों में जेण्डर, सामाजिक, आर्थिक, वित्तीय एवं विकासशीलता को सम्मिलित करते हुए समुदाय आधारित संस्थाओं जैसे–स्वयं सहायता समूह, मार्केटिंग समूह, ग्राम विकास संगठन आदि को संगठित कर उन्हें सशक्त बनाया जा रहा है। साथ ही साथ अकाल के प्रभाव को कम करने हेतु मेड़बन्दी, खेत तलाई, मृदा सुधार हेतु गतिविधियॉ, उद्यानिकी, कुओं का निर्माण, बूंद बूंद सिंचाई को बढ़ावा, पौधारोपण आदि सुविधायें विकसित करना। इस कार्य हेतु इन समूहों को समय समय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि इन्हें किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आये।
2. **परियोजना प्रबन्धनः** राज्य स्तर पर परियोजना के समन्वयन हेतु ग्रामीण विकास के अधीन परियोजना समन्वयन इकाई एवं जोधपुर में संभागीय आयुक्त के अधीन राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई स्थापित की गई है तथा संबंधित सभी जिलों में ब्लॉक स्तर पर जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई की स्थापना की गयी है। कार्यक्रम का क्रियान्वयन गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है। **राज्य स्तर पर राज्य परियोजना संचालन समिति–**माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अध्यक्षता में गठित की गयी है। **संभाग स्तर पर परियोजना संचालन समिति** गठित की गयी जिसमें संभागीय आयुक्त एवं सम्बन्धित जिला कलक्टर इसके सदस्य हैं। **जिला स्तर पर जिला परियोजना समन्वयन समिति** गठित की गयी है जिसमें जिला कलक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारी इसके सदस्य हैं। **ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत विकास समिति** गठित है जिसमें सरपंच, ग्रामसेवक, कृषि पर्यवेक्षक इसके सदस्य हैं । **ग्राम स्तर पर ग्राम विकास समिति** का गठन किया गया है जिसमें गॉव के समस्त स्वयं सहायता समूहों के अध्यक्ष सदस्य हैं।

3. आजीविका समर्थनः आजीविका सृजन की समस्या बहुआयामी है इसलिये आजीविका सुधार कार्यक्रमों में अनेक सुधारात्मक पहलुओं का समावेश कर इस गतिविधि में लक्षित समूहों को आयसृजनात्मक गतिविधियों से लाभान्वित किया जा रहा है। वर्तमान में परियोजना द्वारा निम्न आयसृजनात्मक गतिविधियॉ की जा रही हैं–

1. **बकरी आधारित आजीविका कार्यक्रम–** इस कार्यक्रम के तहत परियोजना क्षेत्र की 8 ग्राम पंचायतों (लूणा, चाखू, चिमाणा, घंटियाली, रोहिणा, बूंगड़ी, चाम्पासर, नोखड़ा भाटियान) के 700 परिवारों को लाभान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में ऐसे परिवारों का चयन किया गया जिनके पास कम से कम 2 बकरियॉ एवं अधिकतम् 5 बकरियॉ हों। इन परिवारो के सदस्यों को बकरी आधारित आजीविका से सम्बन्धित 3 प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं जिनमें–कार्यक्रम का आधार व पूर्ण जानकारी, स्वास्थ्य प्रबन्धन, बाजार सम्पर्क आदि मुद्दे शामिल किये गये।
2. **वर्षा आधारित कृषि उत्पादन कार्य–** इस कार्यक्रम के अन्तर्गत परियोजना क्षेत्र के 700 किसानों के साथ पारम्परिक कृषि के साथ–साथ नवीन तकनीकी बीजों का समावेश किया है जिनमें बाजरा, मूंग, मोठ, ग्वार व तिल। इन बीजों का बीजान से पूर्व बीजोपचार करके जमीन को लाईन से लाईन बुवाई के तरीके से बीजान करवाया गया। प्रत्येक किसान को उनके पारम्परिक खेती व बीजोपचार व लाईन से बीजान करके प्राप्त फसल का प्रदर्शन करवाया। दोनों तरीकों से प्राप्त अनाज का विश्लेषण करवा कर किसानों को उनसे होने वाले फायदे के बारे में जानकारी देकर लाभान्वित किया जा रहा है।
3. **डेयरी एवं पशुपालन विकास कार्यक्रम–** यह कार्यक्रम परियोजना के अन्तर्गत बनाये गये समूहों के सदस्यों, जिनके पास न्यूनतम एक गाय हो, के साथ प्रारम्भ किया गया है। इस कार्यक्रम में गायों के स्वास्थ्य, चारा, रख–रखाव व उन्नत नस्ल, समय पर टीकाकरण आदि का प्रशिक्षण देकर डेयरी आजीविका समूहों का निर्माण किया जायेगा।
4. **बागवानी कार्यक्रम–**इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उन परिवारों का चयन किया गया जिनके पास स्वयं का पानी टॉका हो। टॉके के पास 1 बीघा जमीन में 50 फलदार पौधों (बेर, गुन्दा व नीम्बू) को दिया गया है इन पौधों से तीसरे वर्ष में फलों का उत्पादन लिया जायेगा। ये पौधे वर्ष पर्यन्त फल देंगे तथा परिवार की आजीविका का साधन होगा।

प्रगति रिपोर्ट (जनवरी से दिसम्बर 2016)

क्र.सं.	गतिविधि	लक्ष्य 260 समूह	प्राप्ति 260 समूह	शेष
1	स्वयं सहायता समूह गठन	0	260	0
2	स्वयं सहायता समूहों का रजिस्ट्रेशन	0	260	0
3	समूहों का बैंक में खाता	0	260	0
4	समहों को रिवोल्विंग फण्ड जारी	0	260	0
5	ग्राम संगठनों का बैंक में खाता खुलवाना (5 से 15 समूहों पर एक)	26	14	12
6	आजीविका प्रपत्र तैयार किये	25	25	0
7	आजीविका प्रपत्र स्वीकृत करवाये	25	20	04
8	समूहों का बैंक लिंकेज	25	23	02
9	समूहों को सीड केपिटल जारी किया	25	23	02
10	समूहों द्वारा प्राप्त की गयी सीड केपिटल राशि	25	23	13.80 लाख
11	सीड केपिटल की द्वितीय किश्त	10	10	5.00 लाख
12	स्वयं सहायता समूहों की आपसी लेन–देन	260	241	3,03,15789
14	ड्रजरी वितरण	100 स्वयं सहायता समूह	85 समूह	85 समूहों के 850 सदस्यों को बिलोना मशीन वितरण
15	**बकरी आधारित आजीविका कार्यक्रम (700 परिवारो के साथ रोहिणा–बूंगड़ी एवं चारणाई ग्रा.पं. में)**			
1	स्वास्थ्य प्रबन्धन प्रशिक्षण	20	17	3
2	टीकाकरण प्रशिक्षण	10	10	0
16	**डेयरी आजीविका संवर्द्धन कार्यक्रम (ग्राम पंचायत जाम्बा में 200 परिवारों के साथ)**			

1	स्वास्थ्य प्रबन्धन प्रशिक्षण	10	08	02
2	टीकाकरण प्रशिक्षण	10	10	0
17	**बागवानी (100 परिवारों के साथ 50–50 फलदार पौधो– निम्बू, बेर व गुन्दा)**			
1	बागवानी में आवश्यक दवाओं का प्रशिक्षण	50 परिवार	45 परिवार	05
2	पौधों की आवश्यक घरेलू देखभाल प्रशिक्षण	50	45	05
	कृषि आधारित आजीविका कार्यक्रम (1200 परिवारों के साथ क्षेत्र की 14 ग्रा.पं. में)			
1	खरीफ 2016 के लिये किसानों का चयन स्वयं सहायता समूहों की मासिक बैठकों के आधार पर	260 स्वयं सहायता समूह	167 समूहो में बातचीत की गयी	93 में शेष

युवा आजीविका कौशल कार्यक्रम– हमारे देश में शिक्षित युवा वर्ग में बेरोजगारी एक गहन समस्या है। युवा शक्ति को उचित प्रेरणा, सही मार्ग दर्शन प्रदान कर उनमें तकनीकी योग्यताओं का विकास किया जाये इसी उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए स्वयं सहायता समूहों की सदस्याओं के घर परिवार में उनके लड़के–लड़कियों को यह प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ताकि उनका आर्थिक विकास में योगदान हो सकें।

आजीविका कौशल विकास गतिविधियों के अन्तर्गत प्रशिक्षणों की प्रगति विवरण इस प्रकार है

क्र.सं.	प्रशिक्षण का नाम	संभागियों की संख्या			स्वरोजगार	प्राईवेट जॉब	विशेष विवरण
		महिला	पुरूष	कुल			
1	डेयरी फार्मिंग	90	2	92	90	0	0

इन प्रशिक्षणों से निम्न व्यापक प्रभाव आये–

1. ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होने लगी।
2. शहरी क्षेत्र में पलायन में कमी आयी।
3. ग्रामीण अंचल से पूंजी निर्माण में वृद्धि होने लगी।
4. क्षेत्र की विकसित क्रियाओं में रहन सहन के स्तर में सुधार होने लगा।
5. स्वरोजगार के संबंध में लोगों की आवश्यकता में विकास होने लगा।

शिक्षा कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी	स्पोन्सर्ड लाभार्थी
1	जीवन कौशल प्रशिक्षण	3	83	31
2	विज्ञान कार्यशाला	3	180	57
3	कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला	6	934	0
4	शाला प्रबन्धन समिति बैठकें	34	484	77
5	शिक्षा संवाद / वाक्पीठ	1	184	19
6	आदर्श स्कूलों की विजिट	33	6260	0
7	शिक्षा का अधिकार कानून कार्यशाला	1	36	0

1. **जीवन कौशल प्रशिक्षण**: माह फरवरी 2016 में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की 52 किशोरियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बेहतर जीवन के लिये आवश्यक कौशल की समझ विकसित करना, अभिव्यक्ति में निखार लाना, नेतृत्व क्षमता विकास व स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना था। प्रशिक्षण के दौरान जीवन कौशल की परिभाषा, रिश्ते, रिश्तों में टकराहट व मजबूतियां, रीति रिवाज, किशोरावस्था में बदलाव व मासिक धर्म, सम्प्रेषण व समस्या समाधान आदि मुद्दों पर समझ बनाई गई।

2. **विज्ञान कार्यशाला**: इस कार्यशाला के माध्यम से विज्ञान विषय में आ रही बाधाओं को दूर करने का प्रायोगिक प्रयास किया गया। इस प्रकार के नवाचारों से स्कूली छात्र छात्राओं को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। कार्यशाला के दौरान चुम्बक, जीवन चक्र, विद्युत बनाना, हाईड्रोलिक जैक, टेलीस्कोप आदि का प्रयोग करके बच्चों को जानकारी दी गई।
3. **कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला**: क्षेत्र के 6 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में एक दिवसीय कैरियर काउंसलिंग कार्यशालाओं का आोजन किया गया, जिनमें मुख्य रूप से बच्चों की योग्यता के अनुसार उनको अपने जीवन में आगे बढने के लिये कार्यक्षेत्र के चयन को पुख्ता समर्थन कैसे मिले व इसमें किस प्रकार की सावधानियों का ध्यान रखा जाये। कार्यशाला को विस्तार देने के लिये आईटीआई के व्याख्याता, वरिष्ठ शिक्षक, स्कूलों के प्रधानाध्यापक व व्याख्याता आदि ने सहयोग किया।
4. **शाला प्रबन्धन समिति बैठकें**: शाला प्रबन्धन समिति व शाला विकास प्रबन्धन समिति को लेकर डण्डकला व गंगापुरा सबसेन्टरों के 2 गांवों में बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, समिति के सदस्यों की शाला विकास में भागीदारी व बच्चों स्कूल के विकास के मुद्दों पर चर्चा की गई।
5. **शिक्षा संवाद/वाक्पीठः** कोलायत में आयोजित शिक्ष संवाद में सर्व शिक्षा अभियान के अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक ने मिड डे मील, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मे अध्यापकों, शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों व अभिभावकों की सक्रिय भूमिका पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मिड डे मील बनाने वाली महिला के मानदेय में वृद्धि के लिये भी चर्चा की गई और मानदेय बढाने की जरूरत बताई। इसके अलावा बाल अधिकार व बाल संरक्षण समूह, शाला विकास योजना, दैनिक डायरी, गृह कार्य जांच, छात्र छात्राओं की व्यक्तिगत डायरी, पर्व व उत्सव, बाल सभा आदि के बारे में संवाद स्थापित किया गया।

   ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने संभागियों से शिक्षण कार्य के गुणवत्ता का ध्यान रखने, सीसीई पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षण कार्य करने के बारे में प्रेरित किया। उरमूल सीमान्त समिति के अध्यक्ष अरविन्द ओझा ने अनिवार्य शिक्षा कानून—2009 के सभी मापदण्डों के अनुसार काम करने की सलाह दी ताकि बच्चों को अच्छी व गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सके।

   आदर्श स्कूलों की विजिट: सरकार द्वारा चयनित राजकीय स्कूलों में आदर्श स्कूलों की अवधारणा के मापदण्ड के आधार पर विजिट की गई तथा प्रधानाध्यापकों की भूमिका व दायित्व को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। परिणामस्वरूप प्रधानाचार्य, छात्र छात्राओं, शाला प्रबन्धन समिति आदि के साथ स्कूलों की भौतिक सुविधाओं व गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, खेल, पानी, शौचालयों, बाल अधिकार, बाल समूह, अभिभावक शिक्षक संघ आदि को सुधारने का कार्य हो रहा है ताकि स्कूलों के छात्र छात्राओं का शैक्षिक स्तर सुधर सकें।
6. **शिक्षा का अधिकार कानून कार्यशालाः** अनिवार्य शिक्षा कानून के बारे में एक साझा समझ बनाने के लिये इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संधान, प्लान इण्डिया, बोध शिक्षा समिति, राजस्थान प्रौढ शिक्षण समिति, दिगन्तर, कल्प, सर्व शिक्षा अभियान व शिक्षा संकुल आदि से संभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में मण्डल स्तरीय फोरम बनाने के लिये विस्तार से चर्चा की गई ताकि अपने क्षेत्र में इस कानून के बारे में समुदाय को जागरूक करने का कार्य किया जा सके। इस कार्यशाला के माध्यम से शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु काम करने पर बल दिया गया। संभागियों ने अपने अपने क्षेत्र की वस्तुस्थिति को सभी के सामने प्रस्तुत किया। संस्था की ओर से शिक्षा से वंति बच्चों, मर्ज की गई स्कूलों, शौचालयों का न होना, समय पर बच्चों को पोषाहार न मिल पाने, शिक्षकों की कमी, विकलांग बच्चों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ न मिल पाने आदि मुद्दों पर गहन संवाद किया गया।

आरकेसीएल

माह दिसम्बर 2015 तक संस्था के बज्जू व दियातरा में संचालित आरकेसीएल केन्द्र पर कुल 259 छात्र छात्राओं ने प्रवेश लिया। जनवरी से नवम्बर 2016 तक आरकेसीएल में कुल 19 छात्र छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्तमान में 12 छात्र छात्रायें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

उरमूल स्कूलः

नामांकन व भौतिक विवरण

कक्षा	बालक	बालिका	योग	भौतिक उपस्थिति
एल.के.जी.	16	9	25	22
यू.के.जी.	4	5	9	9
1	0	0	0	0
2	4	3	7	6
3	10	2	12	12
4	3	4	7	6
5	10	0	10	10
6	0	0	0	0
7	0	0	0	0
8	0	0	0	0
योग	**47**	**23**	**70**	**65**

हॉस्टल में नामांकन व भौतिक विवरण

कक्षा	बालक	बालिका	योग	भौतिक उपस्थिति
एल.के.जी.	**0**	**1**	**1**	**1**
यू.के.जी.	**1**	**1**	**2**	**2**
1	**0**	**0**	**0**	**0**
2	**0**	**0**	**0**	**0**
3	**1**	**0**	**1**	**1**
4	**1**	**2**	**3**	**3**
5	**4**	**0**	**4**	**4**
6	**0**	**0**	**0**	**0**
7	**0**	**0**	**0**	**0**
8	**0**	**0**	**0**	**0**
योग	**7**	**4**	**11**	**11**

हॉस्टल कार्मिक विवरण

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पद नाम	अतिरिक्त कार्यभार
1	कल्याणसिंह	एम.ए. बी.एड.	प्रधानाध्यापक	वार्डन (बालक)
2	ललिता देवी	बी.एस.सी. बी.एड.	अध्यापक	वार्डन (बालिका)

- **शैक्षिक स्थितिः**
  - **कक्षा– एलकेजीः** गणित विषय में अंक बोलना, देखकर लिखना। हिन्दी में देखकर व्यंजन लिखना। अंग्रेजी में ए से जेड तक बोलना व देखकर लिखना।
  - **कक्षा– यूकेजीः** गणित में अंकों की पहचान करना। 1 से 1000 तक अंक बोलना व देखकर लिखना। हिन्दी में 2 अक्षरों के बाद शब्द बनाना, पढना व लिखना आद। अंग्रेजी में ए से जेड तक बोलना, इससे जुड़े शब्दार्थ बोलना व देखकर लिखना।
  - **कक्षा– 1ः शून्य**
  - **कक्षा– 2**ः अंग्रेजी में सप्ताह के दिनों के नाम, महीनों के नाम, पशु–पक्षी, फल–फूल तथा छाटे छोटे शब्द पढना आदि। गणित जोड़, बाकी, गुणा व भाग आदि। हिन्दी लिखना, पुस्तक पढना, बोलना व सीखना आदि।

- **कक्षा– 3 से 8 तकः** सभी विषय, जैसे गणित, सामाजिक, ज्ञान विज्ञान, अंग्रेजी आदि को लेकर पाठ्यक्रम के अनुसार बहुत अच्छी स्थिति में हैं। सभी कक्षाओं 1 से 5 के छात्र छात्राओं के शैक्षिक कलेण्डर के अनुार प्रथम, द्वितीय व तृतीय परख के साथ ही अर्द्ध वार्षिक परीक्षा का भी विधिवत् संचालन किया गया है। इस परीक्षा में छात्राओं का शैक्षिक स्तर ज्यादा ठीक पाया गया है।

➢ **फीस विवरणः**

कुल शुल्क देय	5,79,318.00
शुल्क जमा	2,09,111.00
शुल्क बकाया	3,70,207.00

➢ **पर्यावरण स्थितिः**

65 छोटे पौधे व 10 बड़े पौधे।

➢ **पर्व एवं उत्सवः** शिविरा पंचांग के अनुसार उरमूल स्कूल में नियमित रूप से पर्वोत्सव मनाने का तय किया गया है। इसको भी शैक्षिक उन्नयन का हिस्सा बनाया गया है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गुरू गोविन्दसिंह जयन्ती, विज्ञान दिवस, गांधी जयन्ती, बाल दिवस व बालिका दिवस का आयोजन किया गया है।

➢ **शाला प्रबन्धन समिति / अभिभावक बैठकेंः** त्रैमासिक रूप से शाला प्रबन्धन समिति व अभिभावकों के साथ समीक्षा एवं नियोजन बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में छात्र छात्राओं के प्रगति रिपोर्ट के बारे में सभी उपस्थित अभिभावकों को बताया गया और घर पर भी बच्चे की पढाई व रहन सहन पर ध्यान देने के लिये प्रेरित किया गया।

➢ **स्कूल स्टाफ का विवरणः**

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1	कल्याणसिंह	एम.ए. बी.एड.	प्रधानाध्यापक
2	सुभाषचन्द्र भादू	एम.ए. बी.एड.	अध्यापक
3	ललिता देवी	बी.एस.सी. बी.एड.	अध्यापक
4	राजेश ज्याणी	बी.ए. बी.एड.	अध्यापक
5	मोतीलाल हटीला	एमबीए	कम्प्यूटर शिक्षक
6	राणूलाल कुमावत	8वीं	चौकीदार
7	गुलेश कुमार	साक्षर	वाहन चालक

स्पोन्सर्ड बच्चों को उरमूल–प्लान, बज्जू द्वारा छात्रवृतिः

माह जून 2016 में 1000 स्पोन्सर्ड बच्चों को उरमूल–प्लान, बज्जू द्वारा उनके अकादमिक वर्ष 2016–17 के लिये 3500 रूपये का चैक, प्रत्येक बच्चे को प्रदान किया गया है। इस राशि का उपयोग, बच्चों के जीवन में शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए उरमूल सीमान्त द्वारा यह निर्णय लिया गया कि यह राशि बच्चों को उनकी शिक्षा के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये ही प्रदान की जायेगी। यह सुनिश्चित करने के लिये कि इस राशि का उपयोग लाभार्थी द्वारा केवल पढाई के लिये ही किया जायेगा, संस्था द्वारा लिखित आश्वासन भी बच्चों के अभिभावकों से लिया गया है।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल एवं विकास कार्यक्रम (ईसीसीडी)

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	प्रदर्शन बैठकें	32	1058
2	पर्व एवं उत्सव	26	748
3	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का ईसीसीडी पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण	01	38
4	आं.बा. कार्यकर्ता एवं आशा के साथ 0 से 3 साल के बच्चों की माताओं के साथ बैठक। बच्चों की प्रारम्भिक देखभाल	27	831

5	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 0 से 3 साल तक के बच्चों के अभिभावकों व सबला के साथ प्रारम्भिक देखभाल विकास के चरण पर बैठकें	60	2384
6	आंगनबाडी केन्द्रो पर वॉल पेन्टिंग शालापूर्व शिक्षा के लिये सामान वितरण (नन्दघर योजना)	20	820
7	0 से 3 साल तक के बच्चों के पिताओं के साथ बैठक। प्रारम्भिक देखभाल एवं सहभागिता पर चर्चा	16	380
8	अच्छे आंगनबाड़ी केन्द्रों को नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्रों की विजिट (एक दूसरे से सीखने व सिखाने की समझ को बढाना)	04	43
9	आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, 0 से 3 साल तक के बच्चों के अभिभावकों व सबला समूहों के साथ प्रारम्भिक देखभाल एवं विकास के चरण पर बैठकें	38	1431
10	ग्राम सभा में भागीदारी	04	95
11	कुपोषित बच्चों को एमटीसी में रेफर किया गया	0	13
12	नवविवाहित जोड़ो के साथ मिटिंग के साथ परिवार नियोजन की बैठकें	5	40
13	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बैठकें	6	12
14	सबला समुह के पदाधिकारीयों के साथ मीटिंग	28	186
15	ग्राम पंचायत के सदस्यों के साथ मीटिंग	31	79
16	आं.बा. केन्द्र पर गतिवितधि	12	88
17	अभिभावको व देखभालकर्त्ताओं के साथ मीटिंग	17	61

1. **प्रदर्शन बैठकें**: इस माह कुल 10 गांवों में प्रदर्शन बैठकें आयोजित की गई जिनमें 268 लाभार्थियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दिये गये सामान की प्रदर्शनी लगाकर उनको सामग्री की महत्ता के बारे में बताया गया। ताकि अभिभावकों को लगे कि उनके बच्चों के विकास के लिये आंगनबाड़ी केन्द्र पर भेजना आवश्यक है।
2. **पर्व एवं उत्सव**: इस माह आखातीज पर्व 4 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर पतंगबाजी का आनन्द लिया। बच्चों व अभिभावकों व सबला की बालिकाओं को जानकारी दी गई कि बीकानेर के लिये आखातीज का महत्व इसलिये है कि इसी दिन राव बीकाजी ने बीकानेर की स्थापना की थी। इस अबूझ सावे पर बाल विवाह करने की भी कुप्रथा है, अतः सभी को बताया गया कि बाल विवाह करने से किस प्रकार बच्चों का मानसिक, शारीरिक व सामाजिक विकास अवरूद्ध हो जाता है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष बाल विवाहों की रोकथाम के लिये विभिन्न बैठकों, रैलियों, जागरूकता अभियानों के माध्यम से प्रयास किये जाते हैं।
3. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का ईसीसीडी पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण**: इस प्रशिक्षण के दौरान दक्ष प्रशिक्षकों के रूप में ''प्रारम्भ, जयपुर'' संस्था की ममता, रेखा, रेणु व सुषमा ने 0 से 3 साल तक के बच्चों के समेकित विकास जैसे शारीरिक, मानसिक, संज्ञानात्मक भावनात्मक और रचनात्मक विकास, 3 से 6 साल तक के बच्चों की शाला पूर्व शिक्षा विषय और घर पर बच्चों की देखभाल आदि विषयों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण किया गया।
4. **आं.बा. कार्यकर्ता एवं आशा के साथ 0 से 3 साल के बच्चों की माताओं के साथ बैठक। बच्चों की प्रारम्भिक देखभाल**: इन 19 बैठकों में आये 616 लाभार्थियों ने बच्चों के प्रारम्भिक अवस्था में किस प्रकार देखभाल की जाये, इस बारे मे ंअपनी समझ बनाई।
5. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 0 से 3 साल तक के बच्चों के अभिभावकों व सबला के साथ प्रारम्भिक देखभाल विकास के चरण पर बैठकें**: बच्चों की आयु के अनुसार विकास के प्रमुख चरणों व प्रारम्भिक देखभाल के बारे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 0 से 3 साल तक के बच्चों के अभिभावकों के साथ बैठकें आयोजित की गई।
6. **0 से 3 साल तक के बच्चों के पिताओं के साथ बैठक। प्रारम्भिक देखभाल एवं सहभागिता पर चर्चा**: ज्यादातर परिवारों में बच्चों की प्रारम्भिक आयु में मां ही देखभाल करती है। लेकिन यदि मां व पिता दोनों मिलकर बच्चों की देखभाल करें तो बच्चों को सही रूप में पोषण मिल पायेगा। इस बारे में समझ बढाने के लिये यह गतिविधि की गई।

7. **अच्छे आंगनबाड़ी केन्द्रों को नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्रों की विजिट– (एक दूसरे से सीखने व सिखाने की समझ को बढाना)**: छः माह के दौरान लाखासर, झझू में दो बार व गोलरी गांव के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्लान क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ले जाकर एक अच्छे आंगनबाड़ी केन्द्र की अवधारणा के बारे में बताया गया।
8. **आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 0 से 3 साल तक के बच्चों के अभिभावकों व सबला के साथ प्रारम्भिक देखभाल विकास के चरण पर बैठकें**: इस माह के दौरान बच्चों की आयु के अनुसार विकास के प्रमुख चरणों व प्रारम्भिक देखभाल के बारे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 0 से 3 साल तक के बच्चों के अभिभावकों के साथ बैठकें आयोजित की गई। बच्चों की घर पर ही देखभाल के लिये किन किन बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना पड़ता है, इसके बारे में अभिभावकों की समझ बनाई गई।
9. **ग्रामसभा में भागीदारी**: तिमाही के दौरान 4 ग्राम सभाओं में भाग लिया। सभाओं में आंगनबाड़ी केन्द्रों पर रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया, पद के अनुसार शैक्षणिक योग्यताओं व कार्यों आदि के बारे में बताया गया। इसके अलावा आंगनबाड़ी की सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।
10. **कुपोषित बच्चों को एमटीसी में रेफर किया गया**: प्रतिमाह आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित होने वाले मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के दौरान बच्चों की वजन निगरीनी की गई। वजन निगरानी के दौरान चिन्हित अति कुपोषित बच्चों को एमटीसी रेफर किया गया।
11. **नवविवाहित जोड़ो के साथ मिटिंग के साथ परिवार नियोजन कि बैठक:** नवविवाहित जोड़ो के साथ परिवार नियोजन को लेकर मिटींग का आयेजन प्लान क्षेत्र में किया गया। ताकि नवविवाहित जोडो को परिवार के नियोजन में सहायता कि जा सके ओर विवाह के बाद होने वाली समस्याओं से आसानी से निपटा जा सके। इस मिटींग के तहत दो बच्चो में अन्तराल रखने को लेकर जानकारी दि गई, गर्भनिरोधको के उपयोग और उनके उपयोग के बारे में बताया जानकारी दी गई।
12. **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बैठकें**: सी. एच. सी. केन्द्रो पर ए. एन. एम. व आशा के साथ समन्वयन बैठक का आयेजन किया गया ताकि स्कूल व आंगनबाड़ी के केन्द्रो पर सबला किशोरीयों के लिये आयरन कि गोलियों का निरन्तर वितरण किया जा सके।
13. **सबला समूह के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग:** इस गतिविधि में सबला ग्रुप लीडर लड़कियों ने भाग लिया इस प्रशिक्षण के दौरान बच्चों के विकास के चरणों को लेकर प्रशिक्षण दिया गया व अनकी आंगनबाड़ी पर क्या भूमिका हो सकती है इसकी प्लानिंग करवाई गई। सबला समूह की लड़कियों व किशोरी प्रेरणा मंच की लड़कियों के साथ यौन स्वास्थ्य व परिवार नियोजन को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण रखा गया। इस दौरान किशोरी यौन स्वास्थ्य को लेकर चर्चा की गई की किस तरह हम स्वस्थ रह सकते हैं। परिवार नियोजन पर चर्चा करते हुए गर्भ निरोधक स्थाई व अस्थाई साधनों पर चर्चा की गई व डेमों के माध्यम से उपयोग करने के तरीके बताए गए।
14. **ग्राम पंचायत के सदस्यों के साथ मीटिंग:** इस मीटिंग के दौरान शालापूर्व शिक्षा क्यों जरूरी है इस पर चर्चा की गई तथा ड्राप आउट बच्चों कि लिस्ट बनायी और अभिभावको व सबला समूह की लड़कियों को इनको जोडनें की जिम्मेदारी दी गई। और जनप्रतनिधियों के साथ बच्चों की देखभाल और भाालापूर्व शिक्षा की सेवाओं को अधिक लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए पंचायत मिटिंग में सरकारी योजनाओं पर चर्चा कर वार्डपंचों के माध्यम से समुदाय में जानकारियों के प्रति जागरुकता लाना। जिससे की अधिक से अधिक लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाया जाए। इसलिए जरुरी है कि जनप्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारी का अहसास होना बहुत आवश्यक हैं।
15. **आं.बा. केन्द्र पर गतिविधि:** एक आदर्श व ज्ञान केन्द्र के रूप में स्थापित किये जा सके हैं और शाला पूर्व शिक्षा हेतु एक विशेष प्रयास किया गया है। जिससे आंगनबाड़ी केन्द्रों पर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्लानिंग बनवाना बच्चों के साथ नियमित रूप से शाला पूर्व शिक्षा आधारित गतिविधियां करवाना आसान हुआ है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को भी शाला पूर्व शिक्षा की गतिविधियां करवाने के लिये पेन्टिंग के रूप में एक महत्वपूर्ण साधन उपलब्ध हो पाया है।
16. **अभिभावकों व देखभालकर्त्ताओं के साथ बैठकें**: मदर केयर गिवर, एस एचजी महिला व गर्भवती महिलाओं के साथ 104,108,जोखिम चिन्ह, संस्थागतव सुरक्षित प्रसव को लेकर एक दिवसीय मीटिगों आयोजन किया गया। जिसमें हेल्प लाइन व संस्थागत प्रसव के दौरान मिलने वाले फायदों के बारे में बताया गया। बच्चों के प्रारम्भिक बाल्यावस्था में उम्र के अनुसार की जाने वाली देखभाल व बच्चों के पोषण व समझ में हो रहे फर्क के उद्देश्य

को लेकर समझ बनाई गई। इसमें खास तौर पर घर पर बच्चों की देखभाल कैसे की जाये और शाला पूर्व शिक्षा के बाद बच्चे में होने वाले परिवर्तनों के प्रति समझ बनाने का ध्यान रखा गया।

17. **आंगनबाडी केन्द्रो पर वॉल पेन्टिंग (नन्दघर योजना):** 10 आंगनबाड़ियों पर वॉल पेटिंग का कार्य करवाया गया जिससे बच्चें चित्रों के माध्यम से सीख सके। इसमें आंगनबाड़ी केन्द्रो कि दिवारो पर अ, आ, इ, ई, क ख ग घ, 1,2,3, A B C फलो के नाम व चित्र, महिनो के नाम, अच्छी आदते, आदि की पेन्टिग का कार्य करवाया गया। जिससे बच्चो को शालापूर्व शिक्षा आसानी से दि जा सके व बच्चे चित्रो के माध्यम से शब्द के साथ साथ वस्तु का ज्ञान भी प्राप्त कर सके व आंगनबाडी कार्यक्रताओ को बच्चो को समझाने में आसानी हो ओर समय का सदुपयोग कर ज्यादा से ज्यादा बच्चो के ज्ञान में बढावा दे सके। तथा इन सभी आंगनबाड़ी के लिये अध्यापन व शिक्षण सामग्री (TLM) दिसम्बर माह में वितरित कर दिया जायेगा।

10 आ. बा. केन्द्रो पर वॉल पेन्टिग

स्वास्थ्य कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ आमुखीकरण बैठकें	5	152
2	स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मासिक समीक्षा एवं नियोजन बैठकें	6	60
3	गोद भराई कार्यक्रम	36	505
4	ए.एन.एम. आशा व फील्ड स्टाफ के साथ एक दिवसीय बैठक	1	32
5	विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन	1	68
6	स्नेह शिविर	4	62
7	पीयू स्टाफ के साथ स्वास्थ्य व ईसीसीडी पर दो दिवसीय प्रशिक्षण	1	40
8	टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच हेतु ए.एन.एम. को वाहन सुविधा	4	47
9	प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ बैठकें	8	167
10	15 से 19 वर्ष आयुवर्ग की महिलाओं के साथ बैठकें	26	301
11	किशोरी प्रेरणा मंचों के साथ बैठकें	35	549
12	0 से 3 वर्ष के बच्चों के माताओं व पिताओं के साथ बैठकें	23	493
13	गर्भवती माताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं एएनएम के साथ बैठकें	16	79
14	10वीं से 12वीं कक्षा के छात्र छात्राओं के साथ निबन्ध प्रतियोगिता	8	202
15	जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकें	3	46
16	2 स्कूलों व 1 आंगनबाड़ी की किशोरियों को सेनेटरी नेपकिन	3	41
17	ग्राम जल, स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठकें	18	156
18	गर्भवती माताओं के साथ चेतना बैठकें	17	283
19	धात्री माताओं के साथ चेतना शिविर	12	170
20	पीयर एजूकेटर के साथ प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	1	35
21	वजन निगरानी व टीकाकरण में सहयोग	11	381

1. **नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ आमुखीकरण बैठकें**: इन छः माह के दौरान नव निर्वचित जनप्रतिनिधियों के साथ 5 आमुखीकरण बैठकें आयोजित की गई। बैठकों में पंचायतों की मासिक बैठकों में गर्भवती का पंजीकरण, जन्म पंजीकरण, संस्थागत प्रसव, आईसीडीएस आदि मुद्दों की चर्चा को प्राथमिकता देने व अपनी पंचायत में आईसीडीएस व स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं को आम जन तक पहुंचाने में सहयोग की विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।
2. **स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मासिक समीक्षा एवं नियोजन बैठकें**: चिमाणा में प्रतिमाह स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मासिक समीक्षा एवं नियोजन बैठकें की गई जिनमें समुदाय के साथ किये जाने वाले स्वास्थ्य कार्य, कार्य के दौरान आने वाली समस्यायें और उनके निवारण, गोद भराई, सबला समूहों की बैठकें, वजन निगरानी, टीकाकरण, गर्भवती माताओं का पंजीकरण आदि विषयों पर चर्चा की गई और उक्त कार्यों को प्रमुखता से किये जाने हेतु कार्य योजना तैयार की गई।
3. **गोद भराई**: गर्भावस्था के 7वें माह में गोद भराई व बच्चे को 6 माह बाद उपरी आहार प्रारम्भ करने के लिये गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 104 व 108 एम्बूलेन्स, जननी शिशु सुरक्षा योजना, आयरन की गोलियां, संतुलित आहार, कलेवा योजना व भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन आदि विषयों पर संभागियों को प्रेरित किया गया।
4. **ए.एन.एम. आशा व फील्ड स्टाफ के साथ एक दिवसीय बैठक**: प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आयोजित इस बैठक में गर्भावस्था के दौरान जोखिम चिन्ह, मां व बच्चे की जीवन की सुरक्षा के लिये संस्थागत प्रसव के बारे में उपस्थित ए.एन.एम. आशा सहयोगिनियों व फील्ड स्टाफ को क्षेत्र में कार्य करने की जरूरत पर बल दिया गया।
5. **विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन**: ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्व स्वास्थ्य दिवस आयोजित करने के महत्व के बारे में सीडीपीओ ने जानकारी दी। इसके अलावा गर्भवती का पंजीकरण, जन्म पंजीकरण, संस्थागत प्रसव, आईसीडीएस, 104 व 108 एम्बूलेन्स आदि के बारे में जानकारी दी गई।
6. **स्नेह शिविर**: इन छः माह के दौरान 4 स्थानों पर 12 दिवसीय स्नेह शिविर का आयोजन किया गया। स्नेह शिविर के दौरान नेणिया, गंगापुरा, सियाणा व गिराजसर के आंगनबाड़ी केन्द्रों के चिन्हित 62 कुपोषित व अति कुपोषित बच्चों को विशेष देखभाल एवं पूरक पोषाहार सेवायें उपलब्ध करवाई गई। स्वास्थ्य व साफ सफाई के बारे में बच्चों के अभिभावकों को जानकारी देकर घर पर भी व्यवस्थित रूप से देखभाल करने के लिये प्रेरित किया गया। इन स्नेह शिविरों के आयोजन के बाद किये गये फोलोअप की रिपोर्ट के अनुसार शिविरों में आये सभी बच्चे अच्छी पोषण स्थिति में पाये गये।
7. **पीयू स्टाफ के साथ स्वास्थ्य व ईसीसीडी पर दो दिवसीय प्रशिक्षण**: स्वास्थ्य विभाग एवं उरमूल स्टाफ द्वारा कार्यक्षेत्र में दी गई स्वास्थ्य सेवाओं जैसे बच्चों का टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, 0 से 6 साल तक के बच्चों की पोषण स्थिति के आंकड़े एकत्र करने के लिये पीयू स्टाफ का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में कुपोषित बच्चों की पहचान, कुपोषण के प्रकार व पोषण स्तर को मापने के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई व प्रायोगिक रूप से भी किया गया। कुपाषित बच्चों के लिये आयोजित किये गये स्नेह शिविरों व कुपोषित बच्चों को एमटीसी रेफर करने के बारे में भी समीक्षा की गई व इस पर आगामी कार्य करने के लिये समझ पुख्ता की गई। इसके बाद सूचनयें एकत्रित करने के लिये सहभागिता से एक प्रपत्र तैयार किया गया, जिसमें फील्ड कार्यकर्ता सारी सम्बन्धित सूचनाओं का संकलन करेंगे।
8. **टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच हेतु ए.एन.एम. को वाहन सुविधा**: छः माह के दौरान पीयू क्षेत्र के दूरदराज के 4 गांवों में गर्भवती माताओं की प्रसव जांच, स्वास्थ्य जांच, व बच्चों के टीकाकरण हेतु वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई गई। इसके दौरान 30 बच्चों का टीकाकरण हुआ और 17 गर्भवती माताओं की स्वास्थ्य जांच व टीकाकरण किया गया। इस विजिट के दौरान आशा व ए.एन.एम. द्वारा ग्रामीणों को टीकाकरण व संस्थागत

प्रसव के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। क्षेत्र के एक गरीब परिवार को चिकित्सा के लिये संस्था द्वारा आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया।

9. **प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ बैठकें**: कुल 8 बैठकों में भाग लेकर संस्थागत प्रसव, उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमित टीकाकरण, जन्म प्रमाणपत्र, जननी सुरक्षा योजना, योजनाओं का गांवों में प्रचार प्रसार आदि मुद्दों पर चर्चा की गई और आपसी समन्वयन से कार्य करने पर सहमति बनाई गई।
10. **15 से 49 वर्ष आयुवर्ग की महिलाओं के साथ बैठकें**: बैठकों में दो बच्चों में अन्तराल, स्थाई व अस्थाई साधनों का इस्तेमाल, मां व बच्चे को मृत्ये व कुपोषण से बचाव आदि विषयों पर चर्चा की गई व घर पर ही किस प्रकार महिलायें ये सब सेनिश्चित करें, इसके बारे मे समझ बनाई गई।
11. किशोरी प्रेरणा मंचों के साथ बैठकें: बैठकों में वर्तमान समाज में बालिकाओं की स्थिति को देखते हुए उनको एक सशक्त मंच दिलवाने के बारे में बात की गई, जिसके माध्यम से वह अपने क्षेत्र की बालिकाओं की समस्याओं को उजागर कर सके तथा न्याय दिला सके।
12. **0 से 3 वर्ष के बच्चों के माताओं व पिताओं के साथ बैठकें**: इन बैठकों में बच्चे के जन्म के बाद देखभाल के लिये माता व पिता की समान जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के बारे में चर्चा हुई। बच्चे के जन्म से 28 दिन व 28 से 42 दिन तक नवजात शिशु की देखभाल करने के लिये जो जो आवश्यक सावधानियां रखनी जरूरी है, उनके बारे में बताया गया।
13. **गर्भवती माताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं एएनएम के साथ बैठकें**: इन बैठकों में सरकार की योजनाओं की पहुंच गर्भवती माताओं तक होने, जननी सुरक्षा योजना, सुरक्षित मातृत्व आदि विषयों पर चर्चा की गई। बैठकों में गर्भावस्था में ध्यान रखने योग्य समस्त बातों, टीटी टीकाकरण, व नियमित जांच के बारे में चर्चा की गई।
14. **गर्भवती व धात्री माताओं के साथ चेतना बैठकें**: बैठकों में प्रसव से पहले, प्रसव के समय व प्रसव के बाद ध्यान रखने वाली बातों के बारे में चर्चा की गई व जोखिम चिन्हों की पहचान करने के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा प्रसव नियोजन, संस्थात प्रसव, बच्चों के टीकाकरण, छः माह तक बच्चे को सिर्फ स्तनपान व इसके बाद डपरी आहार के बारे में प्रेरित किया गया।
15. **जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकें**: बैठकों में जन्म प्रमाणपत्र, बच्चों के स्वास्थ्य व विकास से जुड़े मुद्दों को पंचायत की बैठकों का एजेण्डा बनाने आदि के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी दी गई। इसके अलावा 6 साल से छोटे बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों पर नियमित रूप से भिजवाने के लिये प्रेरित किया गया।
16. **ग्राम जल, स्वच्छता एवं पोषण समिति की बैठकें**: सरकार द्वारा गठित इस समिति की बैठकों के नियमित आयोजन के बारे में चर्चा की गई। सभी सदस्यों को जानकारी दी गई कि इस समिति में 7 स्थाई सदस्य होते हैं। जिनमें सरपंच, वार्डपंच, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष, अध्यापक व गांव का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति इस समिति में होते हैं। कमेटी के मुख्य कार्यों में स्वास्थ्य, जल सरंक्षण, साफ सफाई व स्वच्छता का सूक्ष्म नियोजन करके समुदाय को लाभ दिलवाना है। किसी प्रकार की समस्या होने पर उसके निपटारे के लिये सरकार के साथ समन्वयन बिठाना जरूरी है।
17. पीयर एजूकेटर के साथ प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण: चिमाणा की किशोरी बालिकाओं के साथ 3 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में किशोरी प्रेरणा मंचों, राष्ट्रीय किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम, जीवन कौशल आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया ताकि ये बालिकायें अपने समूहों में जाकर प्रशिक्षण मे सीखी बातें शेयर करें और किशोरावस्था के दौरान होने वाले परिवर्तनों व ध्यान रखने योग्य बातों के बारे में एक सकारात्मक समझ बनाने में मदद करे।

बाल सुरक्षा व चाईल्ड हेल्पलाईन

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1.	किशोर मंचों का जे.जे.एक्ट व पोक्सो पर एक दिवसीय प्रशिक्षण	8	35
2.	बाल कल्याण समिति, उरमूल परिवार व प्लान इण्डिया की संयुक्त बैठक	1	23
3.	बाल सुरक्षा समिति के सरकारी कार्मिकों के साथ बैठक	3	38
4.	गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के एक दिवसीय प्रशिक्षण	60	926
5.	बाल सुरक्षा पर किशोर बालकों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण	3	70
6.	गुब्बारा पत्रिका प्रकाशन	71	2500
7.	बाल सुरक्षा सर्वे का विश्लेषण	37	175
8.	किशोरी प्रेरणा मंचों के साथ बैठक	62	1003
9.	ब्लॉक स्तरीय बाल सुरक्षा कार्यशाला	10	70
10.	बाल विवाह रोकथाम यात्रा	20	6000
11.	आत्म रक्षा प्रशिक्षण	15	250
12.	चाईल्ड लाईन	12	650
13.	बाल विवाह रोकथाम नाट्य कार्यशाला व प्रदर्शन	3	150
14.	जिला स्तर पर चाइल्ड लाईन के कार्यकर्ताओं के साथ बाल विवाह व बाल मजदूरी रोकथाम के लिए समन्वयक बैठक	1	22
15	किशोर मंचोंके साथ बैठकें	31	478
16	ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों की बैठकें	19	331
17	ग्रामपंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों की बैठकें	6	145
18	बाल सुरक्षा को लेकर स्कूलों व महिला समूहों के साथ सत्र	3	115

1. **किशोर मंचों का जे.जे.एक्ट व पोक्सों पर एक दिवसीय प्रशिक्षणः** इस गतिविधि के तहत 8 गांवों के 35 संभागियों को बाल सुरक्षा के तहत प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में सबसे पहले संभागियों ने बाल सुरक्षा के बारे में स्वयं की जानकारी को प्रस्तुत किया, जिसमें उनके गांव में बच्चों की सुरक्षा को लेकर किस किस विभाग द्वारा क्या क्या काम हो रहा है, किन किन विभागों की किन किन गतिविधियों से बच्चों को उनके अधिकार मिल रहे हैं। इसके बाद जे.जे.एक्ट व पोक्सो के बारे में उरमूल के बाल सुरक्षा समन्वयक ने जानकारी दी।
2. **बीकानेर बाल कल्याण समिति, उरमूल परिवार व प्लान इण्डिया की संयुक्त बैठकः** दिनांक 15 फरवरी 2015 को उरमूल सीमांत समिति, बज्जू की पहल पर बीकानेर बाल कल्याण समिति, जे.जे.बोर्ड, बीकानेर जिले में चाइल्ड लाइन का कार्य कर रही उरमूल परिवार की संस्थाओं के कार्यकर्ता तथा प्लान इण्डिया के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त परिचयात्मक बैठक रखी गई। इस बैठक का उद्देश्य नयी बाल कल्याण समिति के साथ परिचय तथा उरमूल परिवार बीकानेर जिले में चाइल्ड लाइन व प्लान के साथ मिल कर बच्चों के अधिकार व बाल सुरक्षा पर किये जा रहे कार्यों की चर्चा तथा उस काम में सम्बन्धित विभागों से समन्वयन के साथ कार्य योजना तैयार करना था। इस बैठक में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व जे.जे.बोर्ड के सदस्य सभी सदस्य उपस्थित थे। प्लान की ओर से राम तथा उरमूल की ओर से सीमांत, सेतु व ट्रस्ट के कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। सभी ने बच्चों के हित में मिलकर काम करने का निर्णय लिया।
3. **बाल सुरक्षा समिति के सरकारी कार्मिकों के साथ एक दिवसीय बैठकः** इस गतिविधि के तहत 3 गांवों के 38 लोगों ने भाग लिया। ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समिति के सरकारी कार्मिकों के साथ बाल सुरक्षा को लेकर बैठक हुई जिसमें यह तय किया गया कि किस प्रकार प्रत्येक विभाग अपने अपने विभाग की गतिविधियों के माध्यम से अपने आसपास के बच्चों को उनके अधिकार दिलाने व बच्चों की सुरक्षा में अपना योगदान दे सके।
4. **गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के एक दिवसीय प्रशिक्षणः** इस क्वाटर में गांव स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों के कुल 52 प्रशिक्षण हुए जिसमें 874 लोगों ने भाग लिया। जिसमें बाल विवाह रोकथाम, बाल मजदूरी रोकथाम, कन्याभ्रूण हत्या रोकथाम आदि के बारे में बातचीत हुई।

5. **बाल सुरक्षा पर किशोर बालकों का क्षमतावर्द्धन प्रशिक्षणः** इस गतिविधि के तहत् कुल 3 प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें 70 संभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में बाल विवाह, बाल श्रम, पोक्सो, जे.जे बोर्ड, बाल सुरक्षा समिति, 1098 आदि के बारे में बातचीत हुई तथा विस्तार से जानकारी दी गई।

6. **बाल सुरक्षा सर्वे का विश्लेषणः** उरमूल सीमांत समिति, बज्जू द्वारा प्लान इण्डिया के प्रोजेक्ट के तहत बाल सुरक्षा पर फील्ड में लोगों की समझ के बारे में सर्वे किया गया। यह सर्वे कुल 37 गांवों में किया गया, जिसमें से 175 लोगों द्वारा भरे गये सर्वे फार्म को फीड किया जा चुका है तथा उनकी विश्लेषण रिपोर्ट भी तैयार की जा चुकी है जो इस प्रकार हैः

- **आयु का आधार–** कुल 175 लोगों में से 9 से 18 वर्ष के कुल 124 लोग थे, 18 अधिक उम्र के 51 लोग थे।
- **शिक्षा का आधार–** 5वीं तक शिक्षा प्राप्त 19, 6–7 वीं कक्षा के 59, 9–10 कक्षा के 38, 11–12 के 25 तथा 12वीं से उपर के 17 लोगों को शामिल किया गया। साक्षर 10, निरक्षर 3 तथा 4 ने अपने फार्म में शिक्षा का कॉलम खाली छोड़ा
- **सामुदायिक संगठनों का आधार–** गांव स्तरीय समितियों के जिन लोगों ने भाग लिया उनमें बाल मण्डल के 4 बच्चे, किशोर मंच के 32, चाइल्ड क्लब के 7, किशोरी प्रेरणा मंच से 18, सबला समूह से 2, बाल सुरक्षा समिति से 32, मातृ समिति से 1, शाला प्रबन्धन समिति से 3, शाला विकास प्रबन्धन समिति से 1, युवा मण्डल से 7, स्वयं सहायता समूहो से 20 तथा 48 ने कॉलम खाली छोड़ा।
- **बाल कल्याण समिति से जुड़े कार्मिक–** 6 आंगनबाडी कार्यकर्ता, 3 सहायिका, 1 स्वास्थ्यकर्मी तथा 5 शिक्षक।

7. **किशोरी प्रेरणा मंचों के साथ बैठकेः** 62 गांवों में बैठकें हुई जिसमें 1003 लाभार्थी थे। इन बैठकों में समूहों को मजबूत बनाने, समूहों का पुनर्गठन, बाल विवाह रोकथाम, शिक्षा व स्वास्थ्य के बारे में चर्चा हुई।

8. **ब्लॉक स्तरीय बाल सुरक्षा कार्यशालाः** बाल विवाह रोकथाम के लिए 27 अप्रेल 2016 को ब्लॉक स्तरीय बाल सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बीकानेर बाल कल्याण समिति के पदाधिकारी व सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में ब्लॉक के अधिकारी, जनप्रतिनिधियों के अलावा ग्राम सेवक, महिला समूह की महिलाएं भी उपस्थित थी। ताल्लुका विधिक सेवा समिति, कोलायत के अध्यक्ष श्री विक्रम चन्द्र सांखला ने कहा कि हमें बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को रोकना चाहिए। खिंदासर सरपंच ने कहा कि बाल विवाह पुराने जमाने में नहीं हुआ करते थे। जब से हमारे देश में विदेशी आक्रमण होने लगे तब से समाज में अपनी बालिकाओं की इज्जत के लिए उसकी शादी जल्दी करने लगे हैं। ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल वर्मा ने बाल विवाह से बालिकाओं के स्वास्थ्य पर पढ़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया।

9. **बाल विवाह रोकथाम यात्राः** दिनांक 28 अप्रेल को सियाणा गांव से 10 दिन के लिए 20 गांवों में बाल विवाह रोकथाम यात्रा का शुभारम्भ हुआ। इस यात्रा में नाटक, कठपुतली, बाल विवाह पर लोक धुनों पर गीत व प्रचार प्रसार सामग्री से लोगों को जागरूक करने का काम किया गया। अप्रेल माह में सियाणा, नैणिया, खारालोहान व नादड़ा में कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें लगभग 500 लोगों ने भाग लिया।

   कार्यक्रम में बाल विवाह रोकथाम यात्रा के रथ पर हॉल्डिंग, बैनर, पेम्पलेट, गुब्बारा के बाल विवाह विशेषांक, ताल्लुका विधिक सेवा समिति द्वारा दी गई बाल विवाह रोकथाम प्रचार प्रसार सामग्री व चाइल्ड लाइन के पेम्पलेट वितरण किये गये। गावणियार टीम द्वारा कठपुतली, लोक गीतों व नाटकों के माध्यम से बाल विवाह रोकने, बालिका शिक्षा, बाल विवाह के कानूनी प्रावधान आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। 20 गांवों में इस कार्यक्रम को देखने व सुनने के लिए लगभाग 6000 लोगों ने भाग लिया।

   गंगापुरा में हुए कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती मेघा रतन व महिला अधिकारिता की प्रचेता श्रीमती विजय लक्ष्मी पुरोहित विशेष अतिथि थे। प्रत्येक कार्यक्रम में बाल विवाह रोकने में महत्वपूर्ण योगदान करने वाली 175 बालिका एवं अभिभावकों को उरमूल की ओर से जारी प्रशस्ति पत्र मुख्य अतिथियों के हाथों से दिलाये गये।

10. **आत्मरक्षा प्रशिक्षणः** संस्था द्वारा किशोरी बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किये गये। ये प्रशिक्षण चिमाणा, बज्जू, गंगापुरा व झझू में आयोजित किये गये। इन प्रशिक्षणों में कुल 250 बालिकाओं ने भाग लिया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण के साथ साथ बालिकाओं को कम्प्यूटर शिक्षा, ब्यूटीपार्लर, सिलाई व स्थास्थ्य शिक्षा के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए बीकानेर के दक्ष प्रशिक्षकों ने बालिकाओं को संकट के समय अकेले में स्वयं की रक्षा करने के तरीके बताये। पोक्सो व जे.जे.एक्ट के बारे में बताया गया। इसी दौरान नये किशोरी प्रेरणा मंचों का गठन किया गया, जिसमें समूहों के नाम, पदाधिकारियों का चयन, समूह की बैठक

तिथि व स्थान आदि भी तय किया गया। झझू में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के अंतिम दिन समापन सत्र में गांव के गणमान्य प्रतिनिधियों, विद्यालय स्टाफ तथा समाचार पत्रों से जुड़े लोगों के सामने बालिकाओं ने जूड़ो कराटे के प्रशिक्षण में सीखी कलाओं का प्रदर्शन किया।

11. **बाल विवाह रोकथाम नाट्य कार्यशाला व प्रदर्शन**: इस कार्यशाला में डण्डकला गांव के 7 बच्चों ने भाग लिया। बीकानेर के प्रसिद्ध रंगकर्मी श्री अशोक जोशी ने इन बच्चों को अभियन कला सिखाई। जिससे भविष्य में ये बच्चे अपने गांव के मुद्दों पर अभिनय तैयार करके समाज को जागरूक कर सकेंगे। आठ दिन के दौरान बच्चों को दो से तीन विषयों पर नाटक तैयार किये गये। इसके बाद बच्चों द्वारा चारणवाला, बज्जू तेजपुरा तथा बज्जू केम्पस में प्रस्तुतिकरण किया गया।
12. **जिला स्तर पर चाइल्ड लाईन के कार्यकर्ताओं के साथ बालविवाह व बाल मजदूरी रोकथाम के लिए समन्वयक बैठकः** बाल सुरक्षा पर उरमूल ट्रस्ट ऑफिस में चाईल्ड लाइन स्टाफ के साथ समन्वयन बैठक रखी गई जिसमें चाईल्ड लाइन पर आने वाली कॉल के फॉलोअप व कार्यवाही पर चर्चा हुई। इस बैठक में कुल 22 लोगों ने भाग लिया। बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें उरमूल परिवार के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभी ने बाल विवाह के लिए किये जा रहे प्रयासों पर अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही 1098 पर बाल विवाह की सूचनाओं पर पुलिस कार्यवाही पर नाराजगी जाहिर की क्योंकि पुलिस वाले पैसा लेकर परिवार पर कोई कार्यवाही नहीं करते जिससे बाल विवाह रोकने की मुहिम में गति नहीं आ पाती।
13. **किशोर मंचों के साथ बैठकें**: किशोर मंचों की बैठकों में बाल सुरक्षा को लेकर चर्चा की गई कि किस प्रकार बच्चे अपने अधिकारों की पहचान करें। बच्चों के अधिकारों का हनन नहीं हो, इसके लिये गांव की शाला प्रबन्धन विकास समिति, शाला प्रबन्धन समिति, बाल सुरक्षा समिति व अभिभीवकों की जिम्मेदारी है।
14. **ग्राम स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों की बैठकें:** ग्राम स्तरीय इन बैठकों में समिति की नियमित बैठकों के आयोजन की सुनिश्चितता, बाल सुरक्षा के मुद्दों व बाल अधिकारों के बारे में चर्चा की गई कि नियमित बैठकें होने से ही हम गांवों में बाल सुरक्षा व बाल अधिकारों के बारे में सुचारू कार्य कर पायेंगे।
15. **ग्राम पंचायत स्तरीय बाल सुरक्षा समितियों की बैठकें:** इन बैठकों के साथ साथ जो समितियां सक्रिय नहीं थी, उनको पुनर्गठित किया गया। निर्णय लिया गया कि समिति की प्रत्येक माह बैठक हो तथा उसके आधार पर समिति के कार्यों के प्रचार प्रसार के बारे में चर्चा की गई। समिति के सदस्यों की सूची पंचायत भवन में चस्पा की गई।
16. बाल सुरक्षा को लेकर स्कूलों व महिला समूहों के साथ सत्रः स्कूलों व महिला समूहों के साथ लिये गये सत्रों में अभिभावकों व अध्यापकों की उपस्थिति में 24 घण्टों में बच्चे के घर, स्कूल के अन्दर व स्कूल के बाहर की सुरक्षा के बारे में चर्चा की गई व किस प्रकार सुरक्षा की जाये, इसके लिये जानकारी दी गई।

17. चाइल्ड हेल्पलाईन 1098:

इस छः माह के दौरान चाइल्ड लाईन के तहत 12 गांवों में समुदाय के सभी वर्ग के लोगों के साथ सत्र लिये गये जिसमें 6 गांव प्लान कार्यक्षेत्र के थे तथा 6 गांव नोन प्लान क्षेत्र से थे। इन गांवों में बच्चों को 1098 पर कॉल कराने का डेमो भी किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 650 लोगों को 1098 के बारे में जानकारी मिली।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या	लाभार्थी
1	स्कूल सत्र	42	899
2	सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें	25	440
3	युवाओं के साथ जेजे एक्ट के बारे में सत्र	15	150
4	ग्राम पंचायतों बैठकों में चाइल्ड लाईन सत्र	33	493
5	स्कूलों में चाइल्ड राइट्स क्लबों का गठन व 1098 सत्र	15	315
6	किशोरी बालिकाओं के साथ सत्र	18	298

1. **स्कूल सत्रः** चाइल्ड लाईन के बारे में स्कूली छात्र छात्राओं को जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से कुल 42 सत्र लिये गये। सत्रों में बाल अधिकारों व शिक्षा की गुणवत्ता पर भी बात की गई।
2. **सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें:** चाइल्ड लाईन के बारे में समुदाय को जागरूक करने के उद्देश्य से 25 सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें की गई। बैठकों में इसके अलावा बाल विवाह व बाल मजदूरी विषयों पर भी चर्चा की गई व इनके लिये बने हुए कानूनों के बारे में जानकारी दी गई।

3. **युवाओं के साथ जेजे एक्ट के बारे में सत्रः** युवाओं के साथ आयोजित सत्र में जेजे एक्ट एवं पोक्सो कानून, चाइल्ड लाईन 1098 के बारे में जानकारी दी गई।
4. **ग्राम पंचायतों बैठकों में चाइल्ड लाईन सत्रः** पंचायत प्रतिनिधियों को चाइल्ड लाईन 1098 के प्रति जागरूक करने के लिये ग्राम पंचायतों के साथ बैठकें की गई।
5. **स्कूलों में चाइल्ड राइट्स क्लबों का गठनः** कुल 10 चाइल्ड राईट क्लबों का गठन किया गया जिसमें प्रत्येक में 25 सदस्यों को जोड़ा गया।
6. **किशोरी बालिकाओं के साथ सत्रः** सबसेन्टर स्तर पर किशोरी बालिकाओं के साथ चाइल्ड लाईन 1098 को लेकर सत्र आयोजित किये गये।इस दौरान 1098 पर डेमो कॉल भी करके बताई गई।

चाइल्ड लाईन पर प्राप्त केस का विवरणः

क्र.सं.	केस का प्रकार		संख्या
1	चिकित्सा सहायता हेतु	बच्चों के मेडीकल प्रमाण–पत्र बनाने में सहयोग किया	17
2	शोषण से मुक्ति हेतु	बाल विवाह, बाल शोषण व बाल मजदूरी	10
3	स्पोन्सरशिप हेतु	बच्चों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना, पालनहार योजना, विकलांगता पेन्शन	51
4	भावनात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु	स्कूल से सम्बन्धित केस	10
5	गुमशुदा बच्चे	बच्चों को उनके माता–पिता से मिलाना	1
	योग		**89**

जल, स्वच्छता और साफ सफाई कार्यक्रम

क्र.सं.	गतिविधि	संख्या	लाभार्थी
1	सामुदायिक संगठनों के साथ शौचालय उपयोग एवं साफ व सुरक्षित पेयजल को लेकर बैठकें	34	717
2	परम्परागत जल स्त्रोतों के रख रखाव को लेकर सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें	29	578
3	स्वयं सहायता समूह व परिवार के साथ साफ–सफाई को लेकर नियमित बैठक	7	91
4	स्कूलों में पानी टंकी निर्माण	8	1015
5	ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता समिति प्रशिक्षण	8	291
6	स्वच्छता, साफ सफाई व बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान	20	4000
7	विश्व जल दिवस कार्यक्रम	2	78
8	हाईजिन रखने वाले परिवारों को प्रोत्साहन	98	588
9	स्वास्थ्य विभाग व आईसीडीस के साथ समन्वयन बैठक	2	41
10	किशोरी प्रेरणा मंच/किशोर मंच के साथ स्वच्छता, साफ एवं सुरक्षित पानी को लेकर बैठक	80	1189
11	स्वयं सहायता समुह की महिलाओं के साथ शौचालय उपयोग तथा साफ एवं सुरक्षित पानी के उपयोग को लेकर बैठक।	19	227
12	विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बैठकें।	6	500
13	स्पोन्सर चाईल्ड होम विजिट	12	65
14	विश्व हाथ धुलाई दिवस तथा विश्व शौचालय दिवस मनाया	29	7974

1. **सामुदायिक संगठनों के साथ शौचालय उपयोग एवं साफ व सुरक्षित पेयजल को लेकर बैठकें:** इन छः माह के दौरान सामुदायिक संगठनों के साथ 34 बैठकें की गई जिनमें शौचालय का उपयोग करने तथा साफ व सुरक्षित पानी को लेकर बात की गई। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य यह था कि लोग समझे कि शौचालय घर में बनाने के साथ ही उसका उपयोग भी होना चाहिए और बाहर शौच जाने से बीमारी होती है। इसके अतिरिक्त उन्हें विभिन्न सरकारी पेंशन योजनाओं की जानकारी दी गई, जैसे विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन आदि।

2. **परम्परागत जल स्त्रोतों के रख रखाव को लेकर सामुदायिक संगठनों के साथ बैठकें:** इन बैठकों में समुदाय के लोगों के साथ परम्परागत जल स्त्रोतों के रख रखाव को लेकर चर्चा की गई ताकि वे बारिश के पानी को इकट्ठा करके सिंचाई और अन्य उपयोग में लायें। इसके साथ ही पानी की बचत और इसके सदुपयोग हेतु जानकारी दी गई।
3. **स्वयं सहायता समूह व परिवार के साथ साफ–सफाई को लेकर नियमित बैठक:** 7 बैठकें स्वयं सहायता समूह और परिवारों के साथ की गई, जिनमें उन्हें हाथों की स्वच्छता, शौचालय उपयोग व साफ पानी के उपयोग की जानकारी दी गई। इन बैठकों में बताया गया कि यदि हम इन आदतों को दैनिक जीवन में अपनाऐंगें तो बीमार नहीं होंगे।
4. **स्कूलों मे पानी टंकी का निर्माण:** आठ स्कूलों में पानी की टंकी का निर्माण करवाया गया। जिसमें 5000 हजार रूपये की सहयोग राशि प्रति स्कूल को उरमूल प्लान, बज्जू द्वारा तथा शेष राशि जनसहयोग व विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा दी गई। टोंटी वाली इस टंकी का निर्माण करवाने का मुख्य उद्देश्य यह था कि इससे बच्चों को पीने के लिए साफ व सुरक्षित पानी मिले।
5. **ग्राम स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता समिति प्रशिक्षण:** ग्राम स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता समिति के सदस्यों के 8 प्रशिक्षण आयोजित किये गये, जिनमें 291 सम्भागियों ने भाग लिया। सबसे पहले दक्ष प्रशिक्षक ने ग्राम स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता समिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी जिसमें इस समिति में कौन कौनसे लोग होते हैं, इस कमेटी के काम क्या है आदि। इसके बाद दक्ष प्रशिक्षक ने सम्भागियों को समूह में बांटा और उनके गांव में स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता को लेकर क्या स्थति है, विस्तार से कार्डशीट द्वारा उस पर चर्चा करके फिर सभी के सामने प्रस्तुत करके उसके समाधान पर चर्चा की गई। दुसरे दिन अन्टाईट फन्ड को लेकर बात की गई। फिर वार्षिक ग्राम स्वास्थ्य योजना बनाकर उस पर विस्तार से चर्चा करके आगामी वर्ष में इस कार्ययोजना के अनुसार ग्राम स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता समिति अपने अपने गांव में काम करेंगे, जिसमें गांवों में शिशु व मातृ मृत्यु न हो, संस्थागत प्रसवों में वृद्धि हो, स्वच्छ पेयजल और प्रत्येक घर में शौचालय व उसके उपयोग की सुनिश्चितता हो, इस पर चर्चा कर कार्ययोजना बनाई गई।
6. **स्वच्छता, साफ सफाई व बाल विवाह रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान:** संस्था द्वारा प्लान इण्डिया के सहयोग से कोलायत व बाप ब्लॉक के 20 गांवों मे स्वच्छता साफ सफाई व बाल विवाह रोकथाम जागरूकता अभियान कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वच्छता साफ सफाई व बाल विवाह रोकथाम के प्रति जागरूक करना था, जिसमें गांव की स्वच्छता के साथ–साथ स्कूलों व समुदाय में शौचालय के उपयोग की बात नाटक द्वारा बताई गई। कार्यक्रम की शुरूआत नोखडा गांव से की गई। सर्वप्रथम बच्चों द्वारा पूरे गांव में एक रैली निकाली गई। इसके बाद ''गीतेरण टीम'' के कलाकारों ने गीत के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद नाटक के माध्यम से लोगों को हाथ की स्वच्छता, पानी की स्वच्छता व खुले में शौच जाने से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया गया। गांवों में सफलतापूर्वक नाटक करने के पश्चात्, इन बच्चों ने अपने–अपने स्कूलों में अपने सहपाठियों के साथ यही नाटक तैयार करके 26 जनवरी को प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सभी विद्यार्थी, अभिभावकों, अध्यापकों व गांव के लोगों ने सराहा।
7. **विश्व जल दिवस कार्यक्रम:–** 22 मार्च 2016 को विश्व जल दिवस पर थुम्बली व हदां गांव में परम्परागत जल स्त्रोतों के रखरखाव व संरक्षण पर बैठकों का आयोजन किया गया। इस बैठक में सर्वप्रथम गांव के लोगों के साथ मिल कर परम्परागत जल स्त्रोतों को दर्शाने के लिए एक नक्शा नजरी बनाया, जिसमें पूरे गांव के घरों, रास्तों, सार्वजनिक स्थानों, स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, धार्मिक स्थान आदि के साथ पूरे गांव में पानी के परम्परागत जल स्त्रोत व वर्तमान में सरकार की ओर से बनाये गये जल स्त्रोतों को दर्शाया गया, जिसमें सभी संभागियों ने भागीदारी निभाई। उसके बाद इस नक्शे पर चर्चा करके बातचीत को शुरू किया गया। आज से पचास साल पहले पानी की उपयोगिता, पानी को देवता की तरह पूजना, पानी को बचाने के तरीके, परम्परागत जल स्त्रोतों की देखभाल आदि पर विस्तार से चर्चा हुई। गांव के बुजूर्ग व्यक्ति श्री हडमानराम जी ने बताया कि थुम्बली में लोग भाणेका गांव से बैलगाड़ी या ऊँट पर रख कर पानी लाते थे। भाणेका गांव थुम्बली से 13 किलोमीटर दूर है। हडमाना राम ने बताया कि लोग पानी को देवता की तरह पुजते थे व तलाई के पास जूते व चप्पल में नहीं जाते थे। उस समय पानी स्टोर करने के साधन नहीं थे। इस लिए जो मिट्टी के घड़े थे, उनकी भी बहुत देखभाल होती थी।

   अब घरों में सरकार द्वारा पानी की सप्लाई किये जाने के कारण पुराने परम्परागत जल स्त्रोतों का ज्यादा ध्यान नहीं रखते है। इसके बाद संस्था द्वारा वर्तमान व पुराने जमाने में पानी के उपयोग का विश्लेषण लोगों

के सामने प्रस्तुत किया समय रहते पानी को बचाने व दुरूपयोग रोकने का काम करना करने की जरूरत के बारे में बताया। वर्षा जल का अधिक से अधिक उपयोग व भण्डारण करने का काम करके हम अपने व भविष्य के लिए पानी बचा सकेंगे। समन्वयक प्रांजलसिंह ने पानी के उपयोग के व पानी की कमी के आंकड़े लोगों के सामने रखे।

8. **हाईजिन रखने वाले परिवारों का प्रोत्साहनः** इस कार्यक्रम के तहत् कार्यक्षेत्र के गांवों में जो परिवार साफ व सुरक्षित पानी का उपयोग करते हैं, नियमित रूप से साबुन से हाथ धोते हैं और घर में निर्मित शौचालय का उपयोग करते हैं उनको संस्था द्वारा प्रोत्साहित करने एवं गांव में एक आदर्श स्थापित करने के उद्देश्य से हाइजिन सामग्री का वितरण किया गया ताकि गांव के दूसरे परिवार भी अपने घरों को हाइजिन घर के रूप में स्थापित करें।
9. **स्वास्थ्य विभाग व आईसीडीस के साथ समन्वयन बैठकः** कार्यक्षेत्र के ग्रामीणों को स्वास्थ्य विभाग व आईसीडीएस विभाग की सेवायें नियमित रूप से मिलें, इसके लिये एक साझा समझ बनाकर कार्य करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य व आईसीडीएस विभाग के साथ दो ब्लॉक स्तरीय समन्वयन बैठकों का आयोजन किया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की निःशुल्क दवा योजना, जननी शिशु सुरक्षा योजना, 104, 108 एम्बूलेन्स, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आदि के बारे में जानकारी दी गई और मिलकर ग्रामीणों को इन सभी योजनाओं का लाभ दिलाने के प्रयासों के बारे में चर्चा की गई। इसके अलावा ग्राम पंचायत स्तर पर गठित ग्राम जल, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति के सदस्यों का सहयोग भी इस कार्य में लिया जाने के लिये सहमति जताई गई।
10. **किशोरी प्रेरणा मंच/किशोर मंच के साथ स्वच्छता, साफ एवं सुरक्षित पानी को लेकर बैठक :–** 80 बैठकें बच्चो के समुह के साथ कि गई, जिनमें उनके साथ स्वच्छता, साफ एवं सुरक्षित पानी को लेकर बात कि गई। स्कुल में शौचालय चालु हालत में हो व साफ हो इसकी जिम्मेदारी समुह के अध्यक्ष की देख–रेख में पुरा समुह लेगा इसके साथ ही उरमूल कार्यकर्ता ने स्कुल में पानी की व्यवस्था को लेकर भी बात की, शौचालय में हाथ धोने के लिए साबुन, टोईलेट क्लीनर तथा टोईलेट साफ करने के लिए ब्रश हो, इसके साथ वर्षा जल संरक्षण व पानी की वचत को लेकर बात की गई।
11. **स्वयं सहायता समुह की महिलाओं के साथ शौचालय उपयोग तथा साफ एवं सुरक्षित पानी के उपयोग को लेकर बैठकः–** इन बैठको में महिलाओं के समुह के साथ घर में स्वच्छता को लेकर चर्चा की गई, जिसमें उन्हे बताया गया कि खाना पकाने व खाने से पहले तथा शौच के बाद हाथो को साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए। सब्जी को अच्छी तरहे धो के पकाना चाहिए। खुले में शौच जाने से बीमारियां धर में आती है, इससे सबसे ज्यादा धर की गर्भवती महिला व नवजात शिशु को नुकसान होता है। पानी को उबाल कर पीना चाहिए इसके साथ ही दो बार छान लेना चाहिए क्यो की मच्छर के लार्वा भी होते है। उरमूल कार्यकर्ता ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जैसे विधवा पेन्सन, भामाशाह स्वास्थय योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन स्वरोजगार योजना आदि।
12. **विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बैठकः–** छः बैठके विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों साथ की गई जिसमें स्कुलो में शौचालय व पानी की सुविधाओं को लेकर बात की गई, बैठक के दौरान समिति के सदस्यों से इसको सुनिश्चित करने के लिए उनकी भागीदारी को लेकर चर्चा की गई, शौचालय चालु हालत में हो इसके लिए इसकी मरम्मत करवाई जाये ताकी लड़कियां ड्रॉप आउट न हो तथा शौचालय की साफ सफाई को लेकर बात की गई।
13. **स्पोन्सर चाईल्ड होम विजिटः–** दस होम विजिट स्पोन्सर परिवार में की गई, होम विजिट के दौरान स्पोन्सर चाईड व उनके परिवार से बात की गई, जिसमें स्पोन्सर की शिक्षा व स्वास्थ को लेकर चर्चा की गई तथा उरमूल की गतिविधियों में भाग लेने की बात की गई। उरमूल कार्यकर्ता द्वारा दिये स्पोन्सर के फोटो व उसके दोस्त द्वारा भेजे गये पत्र व उपहार के बारे में पुछा गया, इसके साथ ही घर में शौचालय उपयोग व स्वच्छता को लेकर बात की गई।
14. **विश्व हाथ धुलाई दिवस तथा विश्व शौचालय दिवस मनायाः–** चौदह स्कुलों में हाथ धुलाई दिवस मनाया गया, जिसमें उरमूल प्लान बज्जू टीम ने बच्चो द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाई, इसके साथ की बच्चों को हाथ धुलाई के डेमो द्वारा हाथों की स्वच्छता का महत्व बताया गया जिसमें उन्हे खाने से पुर्व व शौच के बाद हाथों को साबुन से धोने की जानकारी दी गई, इसके साथ ही स्कुल के प्रधानाचार्य व अध्यापक न बच्चों को इस विशेष दिन के महत्व को बताया।

स्पोन्सरशिप कार्यक्रम

जनवरी 2016 कम्यूनिकेशन विवरण

	कम्यूनिकेशन का प्रकार	कुल	प्राप्त	शेष
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	110	106	4
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	5	4	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	12	12	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	0	0	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	4	4	0
	फेयरवैल लेटर	5	5	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	187	187	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	17	17	0
	कुल	**340**	**335**	**5**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**12**	
फरवरी 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	119	114	5
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	5	4	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	10	10	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	28	28	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	42	42	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	6	6	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	29	29	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	5	5	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	15	15	0
	कुल	**262**	**256**	**6**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**20**	

मार्च 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	43	41	2
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	8	7	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	9	9	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	2	2	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	1	1	0
	फेयरवैल लेटर	18	18	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	58	58	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	16	16	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	5	5	0
	कुल	**163**	**160**	**3**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**77**	
अप्रैल 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	162	161	1
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	15	15	0
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	13	13	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	6	6	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	8	8	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	1	1	0
	फेयरवैल लेटर	12	12	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	290	290	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	10	10	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	4	4	0
	कुल	**521**	**520**	**1**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**17**	
मई 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	35	35	0
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	4	4	0
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	12	12	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	1	1	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	2	2	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	16	16	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	96	96	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	12	12	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	3	3	0
	कुल	**184**	**184**	**0**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**21**	
जून 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	671	650	21
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	77	75	2
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	12	12	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	1	1	0

	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	13	13	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	20	20	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	173	173	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	16	16	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	8	8	0
	कुल	**991**	**968**	**23**

माह जुलाई 2016 के कम्यूनिकेशन

	कम्यूनिकेशन का प्रकार	कुल	प्राप्त	शेष
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	804	782	22
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	55	54	1
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	15	15	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	15	15	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	0	0	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	13	13	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	3	3	0
	कुल	**908**	**885**	**23**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**43**	

अगस्त 2016 कम्यूनिकेशन विवरण

	कम्यूनिकेशन का प्रकार	कुल	प्राप्त	शेष
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	364	347	17
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	15	13	2
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	10	10	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	11	11	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	0	0	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	13	13	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	1	1	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	9	9	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	0	0	0
	कुल	**426**	**407**	**19**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**11**	

सितम्बर 2016 कम्यूनिकेशन विवरण

	कम्यूनिकेशन का प्रकार	कुल	प्राप्त	शेष
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	128	120	8
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	0	0	0
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	21	21	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	2	2	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	1	1	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	10	10	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	168	168	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	9	9	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	12	12	0

	कुल	**351**	**343**	**8**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**14**	
अक्टूबर 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	228	219	9
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	6	6	0
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	5	5	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	10	10	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	0	0	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	2	2	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	7	7	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	50	50	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	8	8	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	30	30	0
	कुल	**346**	**337**	**9**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**7**	
नवम्बर 2016 कम्यूनिकेशन विवरण				
	कम्यूनिकेशन का प्रकार	**कुल**	**प्राप्त**	**शेष**
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड अपडेट	35	34	1
	स्पोन्सर्ड चाइल्ड इन्ट्रोडक्शन	0	0	0
	वेलकम ग्रीटिंग कम्यूनिकेशन	11	11	0
	नेशनल ऑफिस इन्क्वायरी	3	3	0
	स्माल गिफ्ट फॉर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	41	41	0
	स्पोन्सर्ड पेरेन्ट कम्यूनिकेशन	116	116	0
	स्पोन्सर पेरेन्ट विजिट	0	0	0
	फेयरवैल लेटर	7	7	0
	ऑप्शनल चाइल्ड कम्यूकेशन	1	1	0
	कैन्सेलेशन मैमोरेन्डम फोर स्पोन्सर्ड चाइल्ड	4	4	0
	ईमेल कम्यूनिकेशन	0	0	0
	कुल	**218**	**217**	**1**
	निरस्त स्पोन्सर्ड चाइल्ड		**12**	

नेशनल लेवल मॉनिटरिंग: भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विभिन्न योजनाओं की मॉनिटरिंग का कार्य संस्था को सौंपा गया है। माह सितम्बर 2016 के दौरान गुजरात राज्य के तीन जिलों डांग, नर्मदा व तापी और उत्तरप्रदेश के बलिया, देवरिया व गोरखपुर जिलों में राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न योजनाओं की मॉनिटरिंग का कार्य संस्था द्वारा किया गया। इन प्रत्येक जिलों की 10–10 ग्राम पंचायतों में भारत सरकार द्वारा संचालित 1. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एन.एस.ए.पी.) 2. राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एन.आर.डी.डब्ल्यू.पी.), 3. राष्ट्रीय महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारण्टी कानून (मनरेगा), 4. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन.आर.एल.एम.), 5. सम्पूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम (एस.बी.एम.), 6. समेकित जल संग्रहण प्रबन्धन कार्यक्रम (आई.डब्ल्यू.एम.पी.) एवं 7. इन्दिरा आवास योजना (आई.ए.वाई) व डिजिटल लेण्ड रिकॉर्ड मॉडनाईजेशन प्राजेक्ट आदि कार्यक्रमों का ग्राम पंचायत स्तर पर मॉनिटरिंग का कार्य ग्रामीणों व सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

वित्तीय विवरण

PROJECT GRANT RECEIPT & EXPENDITURE

FOR THE PERIOD JANUARY 2016 TO JUNE 2016

S.No.	*Name of Project / Agency*	*Recoverable Project Grant as on 01.01.16*	*Unspent / Project Grant as on 01.01.16*	*Grant Received During the Period*	*Expenditure During the period*	*Recoverable Project Grant as on 30.06.16*	*Unspent Project Grant as on 30.06.16*
1	ICDS Project	-	692,263.00	6,841,062.00	7,677,404.00	144,079.00	-
2	NABARD Bank SHG Project	48,570.00	-	83,700.00	16,884.00		18,246.00
3	National Level Monitaring (MORD)	1,96,936.00	-	189,723.00	411,667.00	418,880.00	-
4	Child line India Foundation	-	44,640.00	449,976.00	210,168.00	-	284,448.00
5	Mpower	-	41,69,733.00	3,991,099.00	8,387,590.88	226,758.88	-
6	Rural Non Farm Development Agency	16,953.00	-	344,470.00	353,113.00	25,596.00	-
7	Plan International India Chapter	-	48,99,546.00	6,326,918.00	11,105,252.00	-	121,212.00
8	Urmul Trust, Bikaner (SSI Project)	-	-	164,640.00	164,640.00	-	-
	Total	**262,459.00**	**9,806,182.00**	**18,391,588.00**	**28,326,718.88**	**815,313.88**	**423,906.00**

FOR THE PERIOD JULY 2016 TO December 2016

S.No	*Name of Project / Agency*	*Recoverable Project Grant as on 01.07.2016*	*Unspent / Project Grant as on 01.07.2016*	*Grant Received During the Period*	*Expenditure During the period*	*Recoverable Project Grant as on 30.11.2016*	*Unspent Project Grant as on 30.11.2016*
1	ICDS Project	144,079.00	-	-	235,260.25	379,339.25	-
2	NABARD Bank SHG Project	-	18,246.00	-	4,342.00		13,904.00
3	National Level Monitoring	418,880.00	-	366,956.00	48,770.00	100,694.00	-
4	Child line India Foundation	-	284,448.00	-	149,772.00	-	134,676.00
5	Mpower	226,758.88	-	2,417,001.25	1,794,667.16	-	395,575.21
6	Plan International India Chapter	-	121,212.00	10,284,000.00	3,941,745.00	-	6,463,467.00
7	Urmul Trust SSI Project	-	-	139,394.00	139,394.00	-	-
	Total	**789,717.88**	**423,906.00**	**13,207,351.25**	**6,313,950.41**	**480,033.25**	**7,007,622.21**

INCOME & EXPENDITURE
FOR THE PERIOD JANUARY 2016 TO JUNE 2016

Expenditure	01.01.16 to 31.03.16	01.04.16 to 30.06.16	Total	Income	01.01.16 to 31.03.16	01.04.16 to 30.06.16	Total
Rj 07 C 2097 Expenses	29,741.00	58,143.00	87,884.00	Rj 07 C 2097 Receipt	17,800.00	75,500.00	93,300.00
Tata Sumo Expenses	38,634.00	41,060.00	79,694.00	Tata Sumo Receipt	42,888.00	73,100.00	115,988.00
Ambulance Rj 07 E0066	15,733.00	-	15,733.00	Ambulance Rj 07 E0066	-	-	-
Tractor Expenses	7,783.00	33,508.00	41,291.00	Trctor Receipt	-	-	-
Motor Cycle	6,784.00	1,815.00	8,599.00	Motor Cycle Receipt	-	-	-
Vehicle Exp. (Total)	**98,675.00**	**134,526.00**	**233,201.00**	**Vehicle Receipt. (Total)**	**60688.00**	**148600.00**	**209288.00**
Bank Charge & Interst Paid	73,548.00	3,403.00	76,951.00	Interest Received	78,858.00	1,520.00	80,378.00
Genrator Expenses	2,000.00	8,419.00	10,419.00	Baradana Receipt	1,300.00	5,110.00	6,410.00
Light & Water Expenses	69,865.00	20,338.00	90,203.00	Light & Water Receipt	69,865.00	41,565.00	111,430.00
Telephone Expenses	78,788.00	79,999.00	158,787.00	Telephone Receipt	85,524.00	44,316.00	129,840.00
Residance & Beding Expenses	99,777.00	40,287.00	140,064.00	Residence & Beding Receipt	36,500.00	26,000.00	62,500.00
Mess Expenses	729,396.00	350,275.00	1,079,671.00	Mess Receipt	709,817.00	749,215.00	1,459,032.00
RKCL Programme Expenses	29,580.00	4,800.00	34,380.00	RKCL Programme Receipt	21,450.00	27,450.00	48,900.00
Photocopy,Stationary & Office Expenses	4,607.00	1,213.00	5,820.00	Training Hall Charges	-	23,000.00	23,000.00
Meeting & Training Expenses	1,878.00	-	1,878.00	Training Material Receipt	-	-	-
Admin Charge (Ruda)	-	1,750.00	1,750.00	Admin Charge (Ruda)	31,910.00	-	31,910.00
Transporation Expenses	-	600.00	600.00	Admin Charge Mpower	163,585.00	-	163,585.00
Admin Charge Mpower	-	2,695.00	2,695.00	Projector Rent Received	-	10,500.00	10,500.00
Urmul Farm Expenses	29,580.00	33,225.00	62,805.00	Urmul Farm Received	31,423.00	1,600.00	33,023.00
Urmul School Expenses	176,652.00	116,355.00	293,007.00	Urmul School Receipt	131,758.00	32,892.00	164,650.00
Other Exp. (Total)	**1,295,671.00**	**663,359.00**	**1,959,030.00**	**Other (Total)**	**1,361,990.00**	**963,168.00**	**2,325,158.00**
Grand Total Exp	**1,394,346.00**	**797,885.00**	**2,192,231.00**	**Grand Total Income**	**1,422,678.00**	**1,111,768.00**	**2,534,446.00**
Excess Of Income over Expenditure	**28,332.00**	**313,883.00**	**342,215.00**	**Excess Of Expenditure Over Income**			

INCOME & EXPENDITURE
FOR THE PERIOD 01 JULY 2016 TO 30 December 2016

EXPENDITURE	EXPENSES	INCOME	EXPENSES
RJ 07 C 2097 Expenses	34,910.00	RJ 07 C 2097 Receipt	9,500.00
Tata Sumo Expenses	19,250.00	Tata Sumo Receipt	11,700.00
Ambulance RJ 07 E0066	1,000.00	Ambulance RJ 07 E0066	-
Tractor Expenses	10,506.00	Tractor Receipt	-
Motor Cycle Expenses	9,973.00	Motor Cycle Receipt	-
Vehicle Expenses (Total)	**75,639.00**	**Vehicle Receipt (Total)**	**21,200.00**
Bank Charge & Interst Paid	1,787.75	Interest Received	12,688.00
Light & Water Expenses	220,152.00	Light & Water Receipt	107,535.00
Telephone Expenses	92,186.00	Telephone Receipt	87,911.00
Residance & Beding Expenses	264,386.00	Residence & Beding Receipt	102,500.00
Mess Expenses	936,099.00	Mess Receipt	1,090,762.00
RKCL Programme Expenses	76,490.00	RKCL Programme Receipt	47,500.00
Travelling Expenses (Mpower)	40,839.00	Travelling Received (M.Power)	40,000.00
Urmul Farm Expenses	42,981.00	Urmul Farm Received	4,740.00
Urmul School Expenses	142,792.00	Urmul School Receipt	33,667.00
Generator Expenses	5,167.00		
Travelling expenses (Local)	51,598.00		
Photocopy,Stationary & Office Expenses	14,413.00		
Transporation Expenses	1,175.00		
Other Expenses (Total)	**1890065.75**	**Other Receipt (Total)**	**1527303.00**
Grand Total Expenses	**1,965,704.75**	**Grand Total Income**	**1,548,503.00**
Excess Of Income over Expenditure	**-**	***Excess Of Expenditure Over Income***	**417201.75**